Nikhaar
FANCY STORES
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
Mukesh Agrawal
9340378220, 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

साझा करें अपने मित्रों से
सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग
लीपा पोती नहीं सिर्फ सच
संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

BATTERY ZONE
Deals In: All Types of Battery and Invertor
इन्वर्टर + बैटरी
मात्र 13,000/- में
Mo.- 9109013555
Opp. Majar, G.E. Road, Shastri Nagar, Bhilai (C.G.)
Email : batteryzonebhilai@gmail.com

वर्ष- 13, अंक - 155 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, गुरूवार 24 मार्च 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

आभूषण एवं माला गुथाई (रिपेयरिंग) अंगुठी व मंगलसूत्र बनाया जाता है।
एस.आर. ज्वेलर्स
सभी प्रकार के ग्रहरत्नों के विक्रेता
प्रो. जितेन्द्र कुमार सोनी
9294510324, 7489986199
बोरसी रोड, आदर्श नगर, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

हिजाब विवादः सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल सुनवाई से किया इनकार, कहा-सनसनी न फैलाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के स्कूलों एवं कॉलेजों में हिजाब पहनने की मांग करने वालों को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने इस मामले की तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। यही नहीं कोर्ट ने हिजाब समर्थक छात्राओं के वकील से कहा कि इस मामले में सनसनी फैलाने से बचें। दरअसल देवदत्त कामत ने कहा कि था कि एग्जाम शुरू होने वाले हैं, ऐसे में किसी की पढ़ाई को नुकसान से बचाने के लिए तत्काल सुनवाई की जरूरत है। इस पर अदालत ने कहा कि आप इस मामले को सनसनीखेज बनाने से बचें। अदालत ने साफ तौर पर कहा कि हिजाब विवाद का परीक्षाओं से कोई लेना-देना नहीं है।

देवदत्त कामत की दलील पर चीफ जस्टिस एनवी रमन्ना ने कहा, 'परीक्षाओं का इस मुद्दे से कोई लेना-देना नहीं है। इसका जिक्र कर सनसनी न फैलाएं।' इससे पहले भी अदालत ने हिजाब विवाद पर तत्काल सुनवाई से इनकार करते हुए कहा था कि होली की छुट्टियों के बाद इस पर विचार किया जाएगा। गुरुवार को चीफ जस्टिस के समक्ष इस मामले को तत्काल सुनवाई के लिए रखा गया था। इस दौरान एडवोकेट कामत ने कहा कि 28 मार्च से छात्रों की परीक्षाएं होने वाली हैं। ऐसे में यदि उन्हें हिजाब के साथ एंट्री नहीं दी गई तो फिर उनका एक साल बर्बाद हो जाएगा।

पुनः परीक्षा नहीं ली जाएगी

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार हिजाब प्रतिबंध के कारण कई छात्रों ने परीक्षा छोड़ दी। इस पर कर्नाटक के शिक्षा मंत्री बीसी नागेश ने कहा कि परीक्षा छोड़ने वालों के लिए कोई पुनः परीक्षा नहीं ली जाएगी क्योंकि ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। हाईकोर्ट ने जो कहा है हम उसका पालन करेंगे। अंतिम परीक्षा में अनुपस्थित का अर्थ है अनुपस्थित। रिपीट परीक्षा आयोजित नहीं की जा सकती है।

हाई कोर्ट ने कहा था, इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा नहीं है हिजाब

बता दें कि कर्नाटक हाई कोर्ट की ओर से स्कूलों एवं कॉलेजों में हिजाब पर लगे बैन को बरकरार रखा गया है। अदालत ने अपने फैसले में कहा था कि हिजाब इस्लाम का अहम हिस्सा नहीं है। इसके अलावा अदालत ने साफकहा था कि संस्थान की ओर से यूनिफॉर्म को लेकर तय किए गए नियम को छात्र चैलेंज नहीं कर सकते। इस फैसले के बाद ही हिजाब समर्थकों के वकील का कहना था कि वह इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे। गौरतलब है कि हिजाब विवाद पर फैसला देने वाले हाई कोर्ट के चीफजस्टिस रितु राज अवस्थी समेत तीन न्यायाधीशों को वाई कैटिगरी सुरक्षा प्रदान की गई है।

खास-खबर

'मोदी छाप' होगी सीएम योगी आदित्यनाथ की कैबिनेट, दिल्ली में आज फिर चल रहा मंथन

नई दिल्ली (एजेंसी)। योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को लगातार दूसरी बार उत्तर प्रदेश के सीएम की शपथ लेने वाले हैं। इससे पहले भाजपा उनकी कैबिनेट में किसे क्या जगह मिलेगी, इस पर मंथन करने में जुटी है। भाजपा सूत्रों का कहना है कि योगी 2.0 सरकार पर भी पीएम नरेंद्र मोदी की पूरी छाप देखने को मिलेगी। यही वजह है कि यूपी में सरकार गठन को लेकर दिल्ली में लगातार बैठकों का दौर जारी है। इस बीच होम मिनिस्टर अमित शाह, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, संगठन महामंत्री बीएल संतोष और राज्य के चुनाव प्रभारी रहे धर्मेंद्र प्रधान की दिल्ली में मीटिंग चल रही है।

पार्टी सूत्रों का कहना है कि सीएम योगी आदित्यनाथ 45 मंत्रियों के साथ शपथ ले सकते हैं। बुधवार को भी योगी आदित्यनाथ ने होम मिनिस्टर अमित शाह और जेपी नड्डा से मुलाकात की थी। भाजपा के आंतरिक सूत्रों ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी की यूपी में सरकार गठन पर नजर है और उन्हें विश्वास में लेते हुए ही सारे फैसले लिए जा रहे हैं। हालांकि उन्होंने इस बात को लेकर इनकार किया कि कैबिनेट को लेकर किसी तरह का मतभेद और इसी के चलते शपथ ग्रहण समारोह में देरी की जा रही है। हालांकि किसी भी फैसले को लेकर नेता पूरी तरह से चुप्पी साधे हुए हैं। अब तक यह भी मालूम नहीं चला है कि किसे डिप्टी सीएम रखा जाएगा और इनकी संख्या कितनी होगी।

खैरागढ़ विधानसभा उपचुनाव को लेकर सरगर्मी तेज, भाजपा ने कोमल जंघेल पर पांचवीं बार खेला दांव

श्रीकंचनपथ न्यूज

खैरागढ़। छत्तीसगढ़ की खैरागढ़ सीट के लिए होने वाले विधानसभा उपचुनाव को लेकर सरगर्मी तेज है। सभी राजनीतिक दलों ने अपने उम्मीदवार तय कर दिए हैं। भाजपा ने कोमल जंघेल को उम्मीदवार बनाया है। उन पर पार्टी ने 5वीं बार भरोसा जताया है। कोमल जंघेल ने ही खैरागढ़ में 47 साल बाद राजपरिवार के मिथक को तोड़ा था। साल 2007 में उन्होंने पहली बार राजा देवव्रत सिंह की पत्नी पद्मा सिंह को शिकस्त देकर खैरागढ़ में कमल खिलाया था।

कोमल ने रचा था इतिहास

इस तरह साल 2007 में उपचुनाव की घोषणा हुई। इस बार कांग्रेस ने देवव्रत सिंह की पत्नी पद्मा सिंह को चुनाव मैदान में उतारा। वहीं भाजपा ने पहली बार कोमल जंघेल पर दांव खेला। नारा उछला, 'महल से हल टकराएगा और कोमल विधानसभा जाएगा'। यह नारा उस दौर में खूब चला था। मतदान के बाद परिणाम आए तो नारा सही साबित हुआ और उपचुनाव में कोमल ने इतिहास रच दिया।

इसके बाद 2008 के चुनाव में फिर से भाजपा ने कोमल जंघेल पर भरोसा जताया। तब उनके सामने कांग्रेस ने मोती लाल जंघेल को चुनाव मैदान में खड़ा किया। उस चुनाव में कोमल जंघेल को 62 हजार 437 और मोतीलाल जंघेल को 42 हजार 893 वोट मिले थे। इस तरह कोमल जंघेल ने फिर परचम लहराया। हालांकि 2013 के चुनाव में कांग्रेस के गिरवर जंघेल ने उन्हें 2190 वोट से शिकस्त दी।

2018 के चुनाव में कोमल को लगातार दूसरी बार हार का सामना करना पड़ा तब जोगी कांग्रेस से देवव्रत सिंह चुनाव मैदान में थे। इस बार कोमल महज 870 वोटों से हारे। मतगणना रात तक चली और खैरागढ़ विधानसभा का परिणाम सबसे आखिरी में आया था। देवव्रत को 61516 और कोमल को 60646 वोट मिले थे। सीटिंग एमएलए गिरवर जंघेल 31 हजार 811 वोट के साथ तीसरे स्थान पर थे।

1960 से 1993 के बीच रश्मि देवी सिंह जीतती रहीं

दरअसल, साल 1960 से 1993 के बीच हुए खैरागढ़ विधानसभा के चुनाव में रानी रश्मि देवी सिंह जीतती रहीं। 1995 में उनके निधन से सीट खाली हुई तो उपचुनाव में उनके ही बेटे देवव्रत सिंह ने जीत दर्ज की। इसके बाद 1998 और 2003 के चुनाव में भी देवव्रत सिंह ने बाजी मारी। जब देवव्रत सिंह ने संसदीय चुनाव लड़ा और एक बार फिर खैरागढ़ विधानसभा की सीट खाली हो गई।

छत्तीसगढ़ के 8 स्टूडेंट्स का यूपीएससी इंटरव्यू के लिए चयन, सीएम बघेल की पहल, छत्तीसगढ़ सदन में रहेगी रहने-खाने की व्यवस्था

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के 8 स्टूडेंट्स का चयन संघ लोक सेवा आयोग की मुख्य परीक्षा में इंटरव्यू के लिए हुआ है। सीएम भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ के चयनित स्टूडेंट्स को बधाई देते हुए घोषणा भी की है। सीएम ने कहा कि छत्तीसगढ़ के जो बच्चे दिल्ली इंटरव्यू देने जाएंगे उनको छत्तीसगढ़ सदन में रहने खाने की मुफ्त सुविधा दी जाएगी।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने यूपीएससी इंटरव्यू के लिए चयनित छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह घोषणा की है। सीएम ने कहा कि प्रदेश के जो स्टूडेंट्स दिल्ली इंटरव्यू देने जाएंगे, उन्हें छत्तीसगढ़ सदन में रुकने और भोजन की सुविधा फ्री में छत्तीसगढ़ सरकार देगी। यूपीएससी इंटरव्यू के लिए दिल्ली जाने वाले छात्र छत्तीसगढ़ भवन के संयुक्त आवासीय आयुक्त संजय अवस्थी के मोबाइल नंबर 98689-77921 पर संपर्क कर सकते हैं।

सोशल मीडिया में सीएम ने किया पोस्ट

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसे अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर भी पोस्ट किया है। वहीं सीएमओ के ट्वीटर एकाउंट पर भी यह संदेश साझा किया गया है। इस संदेश को फेसबुक में पोस्ट कर सीएम ने सभी सफल स्टूडेंट्स को बधाई भी दी है। सीएम के इस पहल के बाद यूपीएससी इंटरव्यू दिलाने दिल्ली जाने वाले छत्तीसगढ़ के स्टूडेंट्स को काफी सुविधा मिलेगी।

बंगाल हिंसा : हाईकोर्ट ने लिया संज्ञान, भाजपा ने की राष्ट्रपति शासन की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में हिंसा का दौर थम नहीं रहा है। बीरभूम जिले में हुई 10 लोगों की हत्या का मामला ठंडा भी नहीं पड़ा है और अब नादिया में एक टीएमसी नेता की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना बुधवार देर रात हुई। हालांकि बंगाल सरकार ने बीरभूम हिंसा की जांच के लिए एक विशेष जांच दल का गठन किया है। लेकिन राज्य की कानून व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने कहा कि बंगाल में कानून-व्यवस्था चरमरा गई है।

बीरभूम हिंसा के मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। कोर्ट ने गुरुवार दोपहर की बीरभूम के ताजा हालात पर रिपोर्ट मांगी है लेकिन बीरभूम में टीएमसी नेता की हत्या के बाद भड़की हिंसा का मामला राजनीतिक रंग ले रहा है। भाजपा ने राज्य में बढ़ती हिंसा के मद्देनजर केंद्र सरकार से राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की है।

लव जिहाद पर जागरूक हो रहे हैं मध्य प्रदेश के लोग, दोषियों को नहीं बख्शा जाएगाः नरोत्तम मिश्रा

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने गुरुवार को कहा कि 'लव जेहाद' से जुड़े मामलों में किसी को बख्शा नहीं जाएगा। राज्य में पिछले दिनों सामने आए ऐसे मामलों पर प्रतिक्रिया देते हुए डॉ मिश्रा ने कहा कि जब से राज्य सरकार इससे जुड़ा विधेयक लेकर आई है, तब से लोगों का ध्यान इस ओर आकर्षित हुआ है।

मिश्रा ने कहा कि लोग लव जिहाद को लेकर मामले दर्ज करवाने आ रहे हैं। पुलिस अब तक करीब 60 से 70 के बीच मामले दर्ज करके गिरफ्तारी की दिशा में मुस्तैदी से बढ़ी है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार लव जिहाद के मामलों में कड़ी कार्रवाई करेगी और किसी को नहीं बख्शा जाएगा।

आपको बता दें कि सूबे में लगातार लव जिहाद के मामलों पर लोग चुप्पी तोड़ रहे हैं। हाल ही में खंडवा में एक हिंदू युवती ने आरोप लगाया कि यहां एक मुस्लिम शख्स ने अपना नाम बदल कर उसे अपने प्रेम जाल में फंसाया। इसके बाद उसे शादी का झांसा देकर दो साल तक उनका यौन शोषण किया। जब पीड़िता ने उससे शादी करने की बात कहीं तो वह धर्म बदलने का दबाव बनाने लगा। मामले में पीड़िता ने खंडवा मोघट थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम व दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया है।

कोरोना संक्रमितों की संख्या में मामूली बढ़त 67 लोगों की मौत, सक्रिय मामले 20 हजार के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना के मामलों में उतार-चढ़ाव का दौर जारी है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी गुरुवार के आंकड़े के अनुसार बीते 24 घंटों में कोरोना के 1938 मामले सामने आए हैं जो कि कल की तुलना में लगभग 150 अधिक हैं। इस दौरान 67 लोगों की मौत भी हुई और 2,531 लोग स्वस्थ भी हुए। सबसे बड़ी राहत की बात यह है कि देश में अब केवल 22 हजार 427 सक्रिय मामले ही बचे हैं। सक्रिय मामलों में भारी कमी का मतलब है कि कोरोना संक्रमित मरीज तेजी से स्वस्थ हो रहे हैं। वहीं महामारी की शुरुआत से अब तक स्वस्थ होने वाले कुल मरीजों की संख्या 4.24 करोड़ (4,24,75,588) हो गई है। रोजाना संक्रमण दर की बात करें तो यह केवल 0.29 फीसदी रह गई है जो कि राहत भरी खबर है।

दिल्ली में भी कोरोना के मामलों में इजाफा

दिल्ली में भी कोरोना के मामलों में इजाफा देखने को मिला है। बीते 24 घंटों में कोरोना के 132 नए केस सामने आए हैं, हालांकि राहत की बात ये रही कि इस दौरान किसी की भी कोरोना से मौत नहीं हुई है।

सरगुजा और धमतरी में आग, हजारों हेक्टेयर जंगल खाक, वनकर्मियों की हड़ताल से आफत

श्रीकंचनपथ न्यूज

सरगुजा । बढ़ती गर्मी के कारण छत्तीसगढ़ के सरगुजा और धमतरी में आग से हजारों हेक्टेयर जंगल तबाह हो गए हैं। इस पर काबू पाने में वन विभाग को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि वनकर्मियों की हड़ताल चल रही है।

सरगुजा के संभागीय वन अधिकारी पंकज कमल ने बताया कि वन कर्मचारी संघ की हड़ताल से आग बुझाना मुश्किल हो रहा है। यदि जरूरत पड़ी तो हम पुलिस व होमगार्ड की मदद लेंगे। सरगुजा के उदयपुर में जंगलों में भीषण आग लग गई है। अब यह तेजी के साथ बढ़ रही है। क्षेत्र के सोन तराई, चकेरी, बासेन, घाटबर्रा, मरैया केदमा समेत कई गांवों में जंगल की आग ने रफ्तार पकड़ी ली है। हजारों हेक्टेयर जंगल दो दिन में जलकर खाक हो गए हैं। वनकर्मियों के मौके पर नहीं रहने से यह आग पूरे जंगल में विकराल रूप ले चुकी है।

धमतरी में 300-350 सुरक्षाकर्मियों को आग बुझाने में लगाया

उधर, धमतरी के डीएफओ पांडेय ने कहा कि जिले के केरेगांव वन क्षेत्र के जंगल में भी आग लगी है। इस मौसम में जंगल में आग लगना आम बात है। हमारा स्टाफ सजग रहता है, लेकिन इस बार कर्मचारी हड़ताल पर हैं, इसलिए आग बुझाने के काम में 300 से 350 सुरक्षा कर्मियों को लगाया गया है।

कोरोना की कैद से बाहर निकलता छत्तीसगढ़, 16 जिलों में नहीं मिले कोई मरीज, प्रदेश में एक्टिव केस 132

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना की तीसरी लहर का संक्रमण बहुत तेजी कम गया है। पॉजिटिविटी दर भी 1 प्रतिशत से नीचे है। बुधवार को मात्र 30 नए केस मिले हैं। प्रदेश के 16 जिलों में कोरोना का एक भी मामला सामने नहीं आया। राज्य में सक्रिय मरीजों की संख्या घटकर डेढ़ सौ से भी कम हो गई है। इस महामारी से अब तक 14,034 लोगों की जान जा चुकी है। कोरोना से बचाव के लिए प्रदेश में अब तक 3 करोड़ 90 लाख, 10 हजार 833 लोगों का वैक्सीनेशनल हो चुका है।

स्वास्थ्य विभाग के राज्य कंट्रोल एंड कमांड सेंटर से मिली जानकारी के मुताबिक बुधवार को प्रदेश में 30 नए केस मिले हैं, जिसमें रायपुर में 9, सरगुजा एवं सूरजपुर में 5-5, बिलासपुर व जशपुर में 2-2, दुर्ग, बेमेतरा, कबीरधाम, धमतरी, बलौदाबाजार, दंतेवाड़ा व नारायणपुर में 11 नए केस मिले हैं। प्रदेश के 16 जिलों में एक भी मामला सामने नहीं आया। वहीं 11 जिलों में 1 से 5 के बीच मरीज मिले हैं। बड़ी संख्या में मरीजों के स्वस्थ होने से सक्रिय मरीजों की संख्या घटकर 132 हो गई है।

प्रदेश में पॉजिटिविटी दर 0.23 प्रतिशत

बुधवार को 12 हजार 798 सैंपलों की जांच की गई, जिसमें 30 मरीज मिले हैं। प्रदेश में पॉजिटिविटी दर 0.23 प्रतिशत है। हॉस्पिटल से 4 लोग डिस्चार्ज हुए तो वहीं 26 लोगों ने होम आइसोलेशन पूरा किया है। राज्य नोडल अधिकारी डॉ. सुभाष मिश्रा ने बताया कि प्रदेश में एक्टिव मरीजों की संख्या में तेजी से कमी आई है। टीकाकरण भी तेजी से हुआ है, जिसकी वजह से कोरोना ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचा पाया। जनसंपर्क से मिली जानकारी के मुताबिक प्रदेश में 2 करोड़ 9 लाख 91 हजार 63 लोगों को प्रथम डोज और 1 करोड़ 74 लाख 99 हजार 189 लोगों को दोनों टीका लगाया जा चुका है।

हिमाचल के नाम बड़ी उपलब्धिः टीबी उन्मूलन में बड़े राज्यों में अव्वल, केंद्र आज करेगा सम्मानित

शिमला (एजेंसी)। टीबी उन्मूलन में हिमाचल प्रदेश ने देश के बड़े राज्यों को पीछे छोड़कर पहला स्थान हासिल किया है। आंध्र प्रदेश दूसरे स्थान पर है। 50 लाख से ज्यादा आबादी वाले राज्यों का आकलन करने के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह आंकड़े जारी किए हैं। गुरुवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख माडविया हिमाचल स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी को सम्मानित करेंगे। हिमाचल सरकार की ओर से इस पुरस्कार को लेने के लिए डॉ. गोपाल बेरी को भेजा है। हिमाचल में बीते वर्ष टीबी उन्मूलन में बेहतर कार्य किए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से गांव- गांव में टीमें भेजी गईं। इस दौरान टीबी के मरीजों को ढूंढा गया।

हिमाचल के लिए यह गर्व की बातः स्वास्थ्य सचिव

इन मरीजों की संख्या 14,495 पाई गई। स्वास्थ्य विभाग की ओर से इन्हें घर जाकर निशुल्क दवाइयां दी गईं। स्वास्थ्य कार्यकर्ता अपने सामने मरीजों को यह दवाइयां खिला रहे हैं। इस सराहनीय कार्य के लिए हिमाचल प्रदेश ने बड़े राज्यों की श्रेणी में प्रथम स्थान हासिल किया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार 50 लाख से कम आबादी वाले राज्यों की श्रेणी में सिक्किम पहले, गोवा दूसरे स्थान पर रहा है। केंद्र शासित प्रदेशों की सूची में डीएनएच और डीडी पहले और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह दूसरे नंबर पर रहा। स्वास्थ्य सचिव अमिताभ अवस्थी ने बताया कि हिमाचल के लिए यह गर्व की बात है।

टीबी उन्मूलन में जिले भी होंगे सम्मानित

भारत सरकार ने टीबी उन्मूलन के लिए राज्य और जिला स्तर पर उप राष्ट्रीय कार्यक्रम शुरू किया है। वर्ष 2021-22 के लिए प्रदेश के सभी जिलों को नामांकित किया गया। राज्य के आठ जिले हमीरपुर, किन्नौर, कुल्लू, कांगड़ा, मंडी, शिमला, लाहौल स्पीति ऊना को सिल्वर मेडल जबकि चंबा, सिरमौर और जिला सोलन को कांस्य पदक से सम्मानित किया जाएगा।

संपादकीय

अलविदा पाबंदियां

भारत में ठीक दो साल पहले लॉकडाउन लगा था और अब 1 अप्रैल से आपदा प्रबंधन अधिनियम के प्रावधान हटने के साथ ही लॉकडाउन इतिहास की बात हो जाएगा। प्रधानमंत्री ने 24 मार्च, 2020 को लॉकडाउन लगाने की घोषणा की थी, तब भारत में कुल कोरोना संक्रमित 564 लोग थे और इस महामारी को लेकर भयानक भय व्याप्त था। तब लोग यह मान रहे थे कि कोरोना का मतलब मौत है, इसलिए सरकार ने जब लॉकडाउन का फैसला लिया, तो इसे जान बचाने की दिशा में एकमात्र विकल्प माना गया। आज जब बची-खुची पाबंदियां भी खत्म होने जा रही हैं, तब देश में कोरोना संक्रमितों की दर्ज संख्या 23,000 है, लेकिन कोरोना का भय समाप्त हो चुका है। समय-समय की बात है। कोरोना लहर की तीन-तीन आंधियां झेलने के बाद हम निडर हो चुके हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से जारी की जाने वाली स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर्स जारी रहेंगी, लेकिन केंद्र सरकार ने कोविड रोकथाम के उपायों को लेकर पहली बार 24 मार्च, 2020 को जो आदेश जारी किए थे, उसकी अवधि 31 मार्च को खत्म हो जाएगी और उसके बाद उचित ही कोई नया आदेश जारी नहीं होगा।

> कुछ जगहों पर राज्य सरकारें भले मास्क या शारीरिक दूरी की अनिवार्यता खत्म कर दें, लेकिन हमें अपनी ओर से हालात देखते हुए चलना होगा। भीड़ भरी बंद जगहों पर मास्क और शारीरिक दूरी वैज्ञानिक रूप से भी अपरिहार्य है। भारत में टीकाकरण अभियान 181.56 करोड़ से ज्यादा खुराक के बाद भी जारी है, बेशक, हमें सुरक्षित रहने के लिए हरसंभव कदम उठाते रहना होगा।

कहा जा रहा है कि मास्क लगाने और शारीरिक दूरी बनाए रखने के नियम लागू रहेंगे, लेकिन क्या यह संभव है? आज बाजारों, ट्रेनों, मेट्रो, सार्वजनिक वाहनों में जो हालात दिख रहे हैं, ज्यादातर जगह शायद ही कोई किसी को मास्क पहनने के लिए कह पा रहा है, और शारीरिक दूरी की चिंता तो अब कुछ ही लोगों को है। सरकार ने नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी की सिफारिशों के बाद यह फैसला लिया है। बेशक, आपदा प्रबंधन में लगे तमाम लोग बधाई के हकदार हैं। समय रहते लॉकडाउन और यथासंभव सावधानी के बावजूद भारत में दूसरी लहर के समय 6 मई, 2021 को चार लाख 14 हजार से अधिक नए मामले दर्ज हुए थे। भारत जैसे विशाल देश में अगर कड़ाई नहीं बरती गई होती, तो हम संक्रमण को कतई संभाल नहीं पाते। अप्रैल-मई 2021 में हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था का जो हाल था, वह लॉकडाउन के बावजूद था। अगर लॉकडाउन न होता, तो क्या होता? अत: हमें खुले मन से यह स्वीकार करना चाहिए कि लॉकडाउन से लाख शिकायतें होंगी, लेकिन लॉकडाउन ने असंख्य भारतीयों के जीवन की रक्षा की है। अमेरिका में हमारी तुलना में एक तिहाई से भी कम आबादी है, लेकिन वह लॉकडाउन के अभाव में ही कोरोना संक्रमण को रोकने में एक हद तक नाकाम हुआ। वहां आज भी प्रतिदिन 25 हजार से ज्यादा मामले आ रहे हैं। बहरहाल, कोरोना बचाव संबंधी प्रावधानों को हम अब शायद ही कभी भूल पाएंगे, लेकिन भविष्य में कभी भी ऐसी स्थिति आए, तो हमें बेहतर ढंग से लॉकडाउन के लिए तैयार रहना होगा। 1 अप्रैल से जब किसी तरह की पाबंदी नहीं रह जाएगी, तब स्कूल भी पूरी तरह खुल जाएंगे। सिनेमा हॉल, सभागार भी पूरी तरह से चल पड़ेंगे। वैवाहिक व सांस्कृतिक आयोजनों की अबाध शुरुआत हो जाएगी, लेकिन तब भी हमें सावधान रहना होगा। कुछ जगहों पर राज्य सरकारें भले मास्क या शारीरिक दूरी की अनिवार्यता खत्म कर दें, लेकिन हमें अपनी ओर से हालात देखते हुए चलना होगा। भीड़ भरी बंद जगहों पर मास्क और शारीरिक दूरी वैज्ञानिक रूप से भी अपरिहार्य है। भारत में टीकाकरण अभियान 181.56 करोड़ से ज्यादा खुराक के बाद भी जारी है, बेशक, हमें सुरक्षित रहने के लिए हरसंभव कदम उठाते रहना होगा।

एक 'हादसे' से निकले कई संदेश

नौ मार्च को शाम के सात बजे भारत से चली हुई ब्रह्मोस मिसाइल पाकिस्तान सीमा के 120 किलोमीटर अंदर मियां चन्नू नामक स्थान पर गिरी। चूंकि मिसाइल के सर पर कोई आणविक वॉरहेड या पे-लोड नहीं था, लिहाजा जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ। लगभग 24 घंटे बाद, पाकिस्तान के इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के महानिदेशक मेजर जनरल बाबर इफ्तिखार ने कहा, 'एक तेज गति से उड़ने वाली वस्तु' भारत से आई और स्थानीय समयानुसार शाम सात बजे से थोड़ा पहले पाकिस्तानी क्षेत्र में उतरी।

मिसाइल के पाकिस्तान से टकराने के दो दिन बाद भारत सरकार ने सार्वजनिक रूप से पुष्टि की कि उसकी एक मिसाइल 'नियमित रखरखाव' के दौरान गलती से लॉन्च हो गई थी और यह पाकिस्तान में चली गई थी। घटना के छह दिन बाद यानी 15 मार्च को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संसद में 'नियमित रखरखाव और निरीक्षण के दौरान एक मिसाइल का अनजाने में छोड़ा जाना' स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि भारत को 'बाद में पता चला कि मिसाइल पाकिस्तान के क्षेत्र में गिर गई थी।' भारत ने इस घटना पर गहरा खेद व्यक्त किया।

साथ ही यह राहत भी व्यक्त की कि किसी की जान नहीं गई। उक्त घटना के अन्य कूटनीतिक आयाम चाहे जो हों, लेकिन मिसाइल टेक्नोलॉजी को जानने वाले अच्छी तरह जानते हैं कि सतह से सतह तक मार करने वाली मिसाइल दुर्घटनावश चल ही नहीं सकती। उक्त मिसाइल ध्वनि की गति से चलने वाली यानी सुपरसोनिक थी। इस बात को अच्छी तरह समझने के लिए मिसाइल प्रक्षेपण के बारे में जानना जरूरी है। किसी भी मिसाइल का परीक्षण एक गंभीर मसला है। मिसाइल का लक्ष्य निर्धारित करना होता है कि वह कहां जाकर गिरेगी।

रवींद्र दुबे

> उच्च शिक्षा में व्यापक सुधारों की जरूरत है, जिनकी तरफडॉक्टर कस्तूरीरंगन कमेटी ने इशारा किया था। सीयूईटी इस दिशा में एक प्रभावी कदम तभी होगा, जब हम इसे बड़े, दूरगामी और ढांचागत सुधारों की पहली कड़ी के रूप में देखें। भारत में उच्च शिक्षा के व्यापक विस्तार और उसमें भारी विनियोग की जरूरत है, जिसमें कोई भी देरी घातक होगी।

उच्च शिक्षा के लिए केवल प्रवेश परीक्षा

हरिवंश चतुर्वेदी,डायरेक्टर, बिमटेक

जीसी चेयरमैन एम जगदीश कुमार द्वारा 45 केंद्रीय विश्वविद्यालयों की स्नातक कक्षाओं में दाखिले के लिए घोषित किए गए सेंट्रल यूनिवर्सिटी एंट्रेन्स टेस्ट (सीयूईटी) के साथ ही अब अगले सत्र से नई व्यवस्था लागू हो गई है। फिलहाल यह व्यवस्था 45 केंद्रीय विश्वविद्यालयों के लिए ही अनिवार्य की गई है, किंतु निजी, डीम्ड व राज्यों के सरकारी विश्वविद्यालयों को भी इसमें शामिल होने का विकल्प रहेगा।

केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए यूपीए-2 के कार्यकाल में ही सीयूईटी ऐक्ट वर्ष 2010 में पारित किया गया था, किंतु अब तक यह एक वैकल्पिक व्यवस्था थी। पिछले वर्ष 14 केंद्रीय विश्वविद्यालयों ने सीयूईटी को अपनाया था, जिनमें अपेक्षाकृत नामी-गिरामी विश्वविद्यालय शामिल नहीं थे। यूजीसी के नए फैसले के अनुसार, अब सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों में सत्र 2022-23 के लिए स्नातक कक्षाओं में दाखिले 12वीं की परीक्षाओं के प्राप्तांकों के आधार पर न होकर सीयूईटी के स्कोर के आधार पर होंगे।

केंद्रीय विश्वविद्यालयों में स्नातक स्तर पर दाखिले की पिछले कई दशकों से चली आ रही कट ऑफवाली व्यवस्था अब खत्म हो जाएगी। अप्रैल, 2022 के पहले हफ्ते में सीयूईटी के लिए आवेदन पत्र भरे जा सकेंगे और जुलाई, 2022 में अनेक बड़े शहरों में नेशनल टेस्टिग एजेंसी (एनटीए) द्वारा ऑनलाइन माध्यम से यह प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। पिछले साल दिल्ली विश्वविद्यालय के सात मशहूर कॉलेजों की दस स्नातक कक्षाओं के प्रवेश में कट ऑफ100 प्रतिशत तक पहुंच गया था। इससे पूरे देश में कट ऑफ की समूची व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए थे।

देश में 12वीं की परीक्षाएं सीबीएसई और आईसीटीई सहित 50 से अधिक राज्य माध्यमिक बोर्डों द्वारा संचालित की जाती हैं, जिनके मूल्यांकन पैमानों में एकरूपता नहीं है। यह ठीक है कि नई व्यवस्था में कट ऑफ प्रणाली की विद्रूपताएं रोकी जा सकेंगी, किंतु फिर भी 45 केंद्रीय विश्वविद्यालयों के यूजी दाखिलों में इस नीतिगत बदलाव से देश के करोड़ों परिवारों का अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलवाने का सपना अभी पूरा नहीं हो पाएगा।

यूजी स्तर पर अच्छे विश्वविद्यालयों में दाखिलों के लिए देश में मारामारी जैसा माहौल क्यों चला आ रहा है? क्या यूजीसी द्वारा लागू की गई सीयूईटी की नई व्यवस्था इस व्यापक समस्या का हल कर पाएगी? हमारे देश में जो आर्थिक व सामाजिक विविधताएं और विषमताएं पाई जाती हैं, उनको देखते हुए क्या दाखिले की नई व्यवस्था यूजी दाखिले में सबको समान अवसर दे पाएगी? क्या ऑनलाइन तरीके से संचालित एमसीक्यू प्रश्नों वाली परीक्षा समाज के सभी वर्गों को समान सहूलियत या कठिनाई प्रदान करेगी? क्या नीट और जेईई की तरह इस नई व्यवस्था से कोचिंग इंडस्ट्री और अधिक ताकतवर नहीं हो जाएगी? ज्ञातव्य है कि सीयूईटी की घोषणा से पहले ही निजी कंपनियों के कोचिंग पैकेज की बिक्री शुरू है।

हमारे देश में अगर गुणवत्ता, ब्रांड व रोजगारपरकता के आधार पर विश्वविद्यालयों के चुनाव किए जाएं, तो देश के कुल 1,000 से अधिक विश्वविद्यालयों में बमुश्किल 200 ऐसे होंगे, जहां हर परिवार अपने बच्चे को पढ़ाना चाहेगा। इनमें 45 केंद्रीय विश्वविद्यालय, 50 राज्य सरकारों के विश्वविद्यालय और शेष निजी विश्वविद्यालय शामिल हैं। नैक के गुणवत्ता पैमानों पर भी 20 से 25 प्रतिशत विश्वविद्यालय ही खरे उतरेंगे। दिल्ली विश्वविद्यालय, जेएनयू, जामिया, बीएचयू, एएमयू जैसे केंद्रीय विश्वविद्यालयों के दाखिलों के लिए मारामारी इसलिए होती है, क्योंकि वहां शिक्षा का स्तर श्रेष्ठ है, फीस कम है और इन जगहों पर यूजी की पढ़ाई करने से युवाओं को करियर बनाने में आसानी रहती है।

केंद्रीय विश्वविद्यालय, केंद्र सरकार द्वारा पोषित होने के कारण फीस बहुत कम रखते हैं, किंतु निजी नामचीन संस्थानों में कोर्स की फीस 15 लाख रुपये से 35 लाख रुपये तक पहुंच जाती है। स्पष्ट है, हर मध्यवर्गीय और गरीब परिवारों के लिए इसे वहन कर पाना कठिन होता है। 45 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों की कुल संख्या 2019-20 में 7.2 लाख थी, जो देश के कुल विद्यार्थियों का सिर्फ 2.4 प्रतिशत थी। इन 7.2 लाख विद्यार्थियों में यूजी स्तर पर मात्र 5.40 लाख विद्यार्थी पंजीकृत थे। जाहिर है, सीयूईटी यद्यपि एक स्वागतयोग्य कदम है, लेकिन यह गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के अभाव का कोई प्रभावी निराकरण नहीं कर पाएगा। ज्ञातव्य है कि सीईयूटी की ऑनलाइन परीक्षा का संचालन एनटीए जुलाई, 2022 में करेगी। अच्छी बात है कि परीक्षार्थियों के पास 13 भाषाओं में से किसी भी भाषा में ऑनलाइन टेस्ट देने का विकल्प रहेगा। यूजीसी चेयरमैन एम जगदीश कुमार के अनुसार, सीईयूटी तीन घंटे की ऑनलाइन परीक्षा होगी, जिसमें हर सवाल के साथ दिए गए वैकल्पिक उत्तरों में से एक सही उत्तर पर परीक्षार्थियों को टिक करना होगा। देश की संकटग्रस्त उच्च शिक्षा प्रणाली को ढर्रे पर लाने के लिए सीयूईटी एक सराहनीय कदम है। इससे यूजी प्रवेश में बोर्ड परीक्षाओं के असंतुलित परीक्षा फलों पर निर्भरता खत्म होगी।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में कहा गया था कि ऐसी परीक्षा तभी कारगर होगी, जब वह विद्यार्थियों को ज्ञान आत्मसात करना और जीवन में उसे उपयोग करना सीखा सके। ऐसी परीक्षा को ट्यूशन लेने या कोचिंग इंस्टीट्यूट में पढ़ने की कुप्रथा को भी खत्म करना होगा। क्या हम नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यह यह उम्मीद करें कि वह इन बातों को ध्यान में रखेगी? क्या हम 12 वर्षों के स्कूली अनुभव को प्रवेश परीक्षा में पूरी तरह से नकार सकते हैं? किसी भी परीक्षार्थी की प्रतिभा को सिर्फ एमसीक्यू, रीजनिंग एबिलिटी टेस्ट या ऑनलाइन परीक्षा से ही नहीं जाना जा सकता है। उच्च शिक्षा में व्यापक सुधारों की जरूरत है, जिनकी तरफ डॉक्टर कस्तूरीरंगन कमेटी ने इशारा किया था। सीयूईटी इस दिशा में एक प्रभावी कदम तभी होगा, जब हम इसे बड़े, दूरगामी और ढांचागत सुधारों की पहली कड़ी के रूप में देखें। भारत में उच्च शिक्षा के व्यापक विस्तार और उसमें भारी विनियोग की जरूरत है, जिसमें कोई भी देरी घातक होगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

इस्लामी राष्ट्र भी कश्मीर पर पाकिस्तान के साथ नहीं

सुशांत सरीन,सीनियर फेलो, ओआरएफ

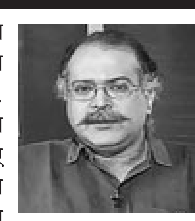

इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) में एक बार फिर कश्मीर का मसला उठा है। इसकी बैठक में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने अनुच्छेद 370 के संदर्भ में भारतीय संविधान में किए गए सुधार को लेकर नई दिल्ली पर निशाना साधा और कहा कि इस्लामी मुल्कों ने कश्मीर के बाशिंदों को निराश किया है। उनका यह रुख नया नहीं है। इमरान खान ने वही किया है, जो हर बार इस मंच पर पाकिस्तान करता आया है। जिन तीन मकसद से इस्लामाबाद इस संगठन का इस्तेमाल करता रहा है, उनमें सबसे ऊपर कश्मीर है। इसके बाद खुद को दूसरे से ज्यादा मुसलमान साबित करने, यानी उम्माह की ठेकेदारी अपने पास रखने और संपन्न इस्लामी मुल्कों से नजदीकी बढ़ाकर अपने सियासी, कूटनीतिक व आर्थिक हितों को साधने की मंशा से वह ओआईसी की बैठकों में शामिल होता आया है।

मगर पिछले चार-पांच दशकों का अनुभव बताता है कि ओआईसी को शायद ही कोई मुल्क संजीदगी से लेता है। 1960 के दशक में जिस फलस्तीन के मसले पर इस संगठन की नींव रखी गई थी, आज खुद उससे यह पीछे हट चुका है और बड़े, संपन्न इस्लामी राष्ट्र इजरायल के साथ अपने रिश्ते सुधारने में जुटे हैं। आलम यह है कि यहां हर देश अपने-अपने हितों का पोषण कर रहा है, जिसके कारण कई बार सदस्य मुल्कों के मत आपस में मेल नहीं खाते। फिर, अरब एवं खाड़ी देशों के साथ भारत के रिश्ते बेहतर हुए हैं, इसलिए ऊपरी तौर पर ओआईसी के सदस्य भले एकजुटता जाहिर करें, लेकिन व्यावहारिक तौर पर वह प्रतिगामी कदम उठाने से बचते हैं।

दरअसल, भारत में जब से मोदी सरकार आई है, हमारी विदेश नीति में मध्य-पूर्व को काफी तरजीह दी गई है। नतीजतन, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, बहरीन जैसे तमाम देशों के साथ भारत के संबंध काफी मजबूत हो गए हैं। ये मुल्क अब हमारे यहां निवेश भी करने लगे हैं। अमीरात के साथ हमने मुक्त व्यापार समझौता किया है। हमारे पश्चिम में जो क्वाड बन रहा है, उसमें भारत और अमेरिका के साथ अमीरात व इजरायल भी शामिल हैं। दिलचस्प यह है कि जिस समय कश्मीर मसले पर ओआईसी चर्चा कर रहा था, ठीक उसी वक्त अमीरात व सऊदी अरब का संयुक्त प्रतिनिधिमंडल निवेश के मौके तलाशने के लिए कश्मीर में डेरा डाले हुए था। यह एक तरह की स्वीकारोक्ति है कि घाटी को लेकर भारत का जो रुख है, उसे अरब देश सही मानते हैं। उनके इस रवैये की झलक 2019 में ही दिख गई थी, जब जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सऊदी अरब के दौरे में उनको वहां का सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया गया। इससे पहले बहरीन भी उनको सम्मानित कर चुका था।

ओआईसी में कश्मीर की चर्चा पहले भी होती रही है, लेकिन 90 के दशक के बाद जब से कश्मीर में आतंकवाद बढ़ा है, तब से पाकिस्तान इसको बेमतलब हवा देने की कोशिश करता रहा है। लिहाजा, ओआईसी ने इस बाबत पांच देशों का 'कॉन्टेक्ट ग्रुप' बनाया हुआ है, वही मुख्य विमर्श से इतर कश्मीर पर चर्चा करता है। साफ है, पाकिस्तान बेशक शोर मचाता रहे, पर इस्लामी दुनिया के मुल्क कोई भी कदम उठाने से पहले अपने-अपने हितों को तरजीह देना नहीं भूलते। यही वजह है कि बयान जारी करने के अलावा ओआईसी ऐसा कोई कदम नहीं उठाता, जो भारत को नागवार गुजरे।

हालांकि, ओआईसी की तरफ से ऐसे बयान न आएं, इसके उपाय किए जाने की वकालत बार-बार की जाती है। कई बार ऐसा हुआ भी है कि पाकिस्तान की मंशा को सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश पूरा नहीं होने देते, लेकिन चूंकि कई बार मुस्लिम देशों को एकजुटता भी दिखानी होती है, इसलिए वे कश्मीर मसले पर साझा बयान जारी कर देते हैं। पाकिस्तान जरूर चाहता है कि कश्मीर इस्लामी दुनिया का एकमात्र मुद्दा बन जाए, लेकिन ओआईसी इसे उम्माह का मसला नहीं मानता। कहा तो यह भी जाता है कि 57 मुल्कों के इस संगठन का सदस्य भारत को बन जाना चाहिए। मगर इसके सदस्य की एक अनिवार्य शर्त मुस्लिम बहुल राष्ट्र होना है। 2018 में बांग्लादेश ने भारत को पर्यवेक्षक देश बनाने की मांग की थी, क्योंकि यहां विश्व की 10 फीसदी से अधिक मुस्लिम आबादी बसती है, लेकिन पाकिस्तान के ऐतराज के बाद ऐसा नहीं हो सका। हालांकि, यह अच्छा ही है कि हम इसके सदस्य या पर्यवेक्षक देश नहीं हैं। इस्लामी रियासत न होने के बावजूद अगर हमें सदस्यता मिलेगी, तो इस मंच से हमारे विरुद्ध होने वाली अनर्गल बयानबाजी भले बंद हो जाए, कई ऐसे अन्य मुद्दे हैं, जिसमें इस्लामी दुनिया के साथ खड़ा होना हमारे लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है। कूटनीति के लिहाज से इस संगठन से दूरी ही हमारे हित में है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

जीवन संगीत है
रोज रोज सुनो मेरे
दोस्तों, मिश्री से
मीठा जीवन संघर्ष
का तड़का है।

-अंजली जैन
7024460938

चिंतित होने की जरूरत नहीं, पर सतर्क रहना जरूरी

चंद्रकांत लहारिया

भारत में ओमिक्रॉन वैरिएंट की वजह से आई कोविड-19 की तीसरी लहर खत्म हो गई है। रोजाना आने वाले नए मामले पिछले 22 महीनों में सबसे कम हैं। इस बीच जब हर कोई सामान्य स्थिति के लौटने की उम्मीद कर रहा था, एक गणितीय अध्ययन में कहा गया कि भारत में कोविड की चौथी लहर आगामी जून में शुरू हो सकती है। साथ ही, चीन और एशिया के कुछ देशों में कोविड की नई लहर शुरू हो गई है। मध्य और पश्चिमी यूरोप के देशों में भी नए मामलों में फिर से उछाल है। क्या ये सब भारत के लिए चिंता का कारण हैं?

सबसे पहले आईआईटी, कानपुर के उस गणितीय मॉडल की बात करते हैं, जिसमें यह आशंका जताई गई है कि जून में चौथी लहर आ सकती है। कई महामारी विशेषज्ञ इस शोध-मॉडल की आलोचना कर रहे हैं कि यह बहुत वैज्ञानिक नहीं है। कोविड महामारी की अगली लहर दरअसल कई कारकों पर निर्भर करती है, जैसे कि जनसंख्या की औसत आयु, आबादी में रोग प्रतिरक्षा (या तो प्राकृतिक संक्रमण या फिर टीकाकरण के बाद) का स्तर और आखिरी लहर कब आई थी।

इसके साथ ही, किसी भी मॉडलिंग-आधारित अनुमान के लिए हर स्तर पर महामारी से संबंधित आंकड़े उपलब्ध होने चाहिए, जो कि भारत में उपलब्ध नहीं हैं। इन कारणों से यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि आगामी जून में कोविड की चौथी लहर आने का सांख्यिकीय विश्लेषण वस्तुत: 'एक अनुमान' जैसा है। इसलिए हमें इससे चिंतित होने की कतई आवश्यकता नहीं है। जहां तक चीन, दक्षिण कोरिया, वियतनाम और न्यूजीलैंड जैसे देशों में कोविड की ताजा लहरों का सवाल है, तो यह पूरी तरह से आश्चर्यजनक नहीं है।

दरअसल, इन देशों ने लंबे समय तक कड़े प्रतिबंधों के साथ 'शून्य-कोविड रणनीतियों' का प्रयास किया है। सख्त प्रतिबंधों के चलते इन सब देशों में पिछले दो वर्षों में प्राकृतिक संक्रमण काफी कम हुआ है। लेकिन ओमिक्रॉन कोरोना वायरस के पिछले सभी वैरिएंट्स की तुलना में कहीं अधिक संक्रामक है। हालांकि इन देशों में उच्च टीकाकरण कवरेज है, लेकिन प्राकृतिक संक्रमण के न होने पर टीके की दो खुराक के बाद से सुरक्षा चक्र लगभग नौ से 12 महीनों के बाद कमजोर हो जाता है। इसके अलावा, कोविड के टीके भले ही गंभीर बीमारी से बचाते हैं, लेकिन संक्रमण को रोकने में इनकी भूमिका बहुत ही सीमित होती है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे

9827806026, 7869620239

अनिता बनी डिजिटल इंडिया युग की बेटी, महिला मेट बन क्षेत्र के विकास में कर रही सहयोग

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोण्डागांव। कभी अति संवेदनशील क्षेत्र कहे जानें वाले गांव बंजोडा में जहां कभी सिर्फफोन करने के लिए इधर उधर घूम कर बड़ी मुश्किल से नेटवर्क खोजने पर फोन लगाता था। आज बदले भारत के साथ अब हर चीज़ डिजिटल होने लगा है साथ ही साथ सुदूर अंचलों में शासन के द्वारा मोबाईल कनेक्टीविटी पहुंचाई जा रही है। जिससे समाज में अमूल चूल परिवर्तन दिखने लगे हैं।

जहां महिलाओं की क्षेत्र के विकास में भागीदारिता दिन ब दिन बढ़ती जा रही है। इस संवेदनशील अंचल की निवासी अनिता वैध ने भी अपने क्षेत्र के विकास के लिए ठान ली है और वह दिन-रात क्षेत्र के विकास में अपनी योगदान दे रही हैं। अनिता ने 12वी की शिक्षा प्राप्त करने के बाद गांव में ही रोजगार की तलाश करने की कोशिश की। तब उन्हें मनरेगा योजना अंतर्गत गांव में महिला मेट के रुप में कार्य कर गांव के लोगों को रोजगार दिलाने के संबंध में रोज़गार सहायक विष्णु समरथ द्वारा जानकारी प्रदान की गई। इस संबंध में जानकर अनिता को उम्मीद जागी की वह मनरेगा द्वारा लोगों को रोजगार दिलाने एवं क्षेत्र के विकास में योगदान देने हेतु बहुत उत्साहित थीं। जिसपर उन्होंने आवेदन कर इस पद पर चयनित हुई। इसके पश्चात् उन्होंने महिला मेट के लिए जनपद पंचायत फरसगांव द्वारा महिला मेट प्रशिक्षण प्राप्त किया। जिसके बाद वे महिला मेट के रुप में कार्य करने लगीं। इस डिजिटल युग में अब मनरेगा योजना में मजूदरों की उपस्थिति ऑनलाइन मोबाइल मॉनिटरिंग एप्प के माध्यम से किया जा रहा है ताकि समय पर ही मॉनिटरिंग हो सकें साथ ही समय पर मजदूरी भुगतान हो सकें। ऐसे में इन विकास से पिछड़े क्षेत्रों में पढ़ी-लिखी महिलाओं की कमी होती है। ऐसे में अनिता ने ऑनलाईन कार्यों को करने में उत्साह दिखाया और उनको बीएफ्टी घासी के द्वारा मोबाइल मॉनिटरिंग के कार्यों को सिखाया गया।

जिसे अनिता ने बड़ी कुशलता के साथ सीखा एवं जल्द ही इस पर कार्य प्रारंभ कर दिया। यह अनिता की लगन का ही परिणाम है कि वर्तमान में पूरे जिले में सबसे अधिक मोबाइल मॉनिटरिंग अनिता के द्वारा ही किया जा रहा है। जिले में उसके समान मस्टर रोल निर्माण एवं कार्यों के निष्पादन में कोई भी उनके आसपास तक नहीं है। अनिता वैध ने मनेरगा योजना मोबाइल मॉनिटरिंग के माध्यम से भारत सरकार ही डिजिटल मॉनिटरिंग का बेहतर उदाहरण प्रस्तुत किया है।

बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान अध्ययन हेतु राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वे का कार्य प्रारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान अध्ययन हेतु राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वे का कार्य आज से प्रारंभ हुआ। यह कार्य 25 मार्च तक चलेगा। भारत सरकार के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा प्रारंभ किए गए इस सर्वे में प्रदेश के शासकीय एवं निजी स्कूलों को शामिल किया गया है। इस सर्वे कार्य में कक्षा तीसरी के बच्चों को शामिल किया गया है। स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव डॉ आलोक शुक्ला ने इस संबंध में सभी जिलों के कलेक्टर को राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वे के सफल क्रियान्वयन व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने हेतु निर्देश दिए हैं।

स्कूल शिक्षा विभाग के प्रयास से केंद्रीय विद्यालय, डीएवी मॉडल स्कूल, बीएसपी व कॉलरी स्कूलों में अवकाश होने के बावजूद भी विशेष निर्देश देकर सर्वे का कार्य प्रारंभ किया गया। स्कूल शिक्षा विभाग के विशेष सचिव एवं एससीईआरटी के संचालक श्री राजेश राणा सिंह ने अतिरिक्त संचालक डॉ योगेश शिवहरे के साथ रायपुर जिले के आरंग ब्लॉक के केंद्रीय विद्यालय राखी और शासकीय प्राथमिक शाला नवागांव झाजं का दौरा किया।

उक्त स्कूलों में 59 बच्चों में से 36 बच्चे उपस्थित थे, जिसमें 6 बच्चों का चयन हुआ 4 अनुपस्थित थे। केंद्रीय विद्यालय राखी में फील्ड इन्वेस्टिगेटर निशा शुक्ला और यशराज व झाजं में प्राची निषाद और सुनीता साहू उपस्थित थे। यह उल्लेखनीय है कि प्रदेश में 144 इंग्लिश मीडियम और 197 हिंदी मीडियम के 341 केंद्र बनाएं गए हैं। एससीईआरटी व डाइट के संकाय सदस्यों द्वारा भी प्रदेश के विभिन्न जिलों की मॉनिटरिंग की जा रही है। शिक्षा मंत्रालय द्वारा निपुण कार्यक्रम में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान हेतु सर्वे का कार्य किया जा रहा है।

दीक्षा अनुमोदना समारोह में शामिल होने रतन मुनि 25 को पहुंचेंगे शहर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शहर के तेजकरण बैद अगले महीने संयम जीवन अपनाने जा रहे हैं। इस बीच आचार्य सम्राट आनंद ऋषि म.सा. की पुण्यतिथि भी मनाई जाएगी। इस उपलक्ष्य में टैगोर नगर स्थित श्री लालगंगा पटवा भवन में 25 मार्च से तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। छत्तीसगढ़ प्रवर्तक परम पूज्य गुरुदेव श्री रतन मुनि आदि ठाणा-7 भी इसमें शामिल होने के लिए राजधानी पहुंच रहे हैं। पटवा भवन में उनका मंगल प्रवेश शुक्रवार को होगा।

दीक्षा महोत्सव समिति के अध्यक्ष ललित पटवा ने बताया कि समारोह में शामिल होने शुक्ल मुनि, गौरव मुनि आदि ठाणा रायपुर पहुंच चुके हैं। मंगलवार को वे देवेंद्र नगर स्थित गुजराती स्कूल में ठहरे थे। बुधवार को पटवा भवन पहुंच जाएंगे। उन्होंने बताया कि दीक्षा अनुमोदना व पुण्यतिथि पर केंद्रित तीन दिवसीय कार्यक्रम में 25 मार्च को परम पूज्य गुरुदेव के सानिध्य में सामूहिक एकासना की जाएगी। 26 को दीक्षार्थी अनुमोदना गीत और भजन संध्या रखी गई है। मुख्य समारोह 27 मार्च को होगा। इस दिन धूमधाम से दीक्षार्थी का वरघोड़ा निकाला जाएगा।

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

पीएम किसान सम्मान निधि योजना का लाभ लेने हेतु ई-केवाईसी कराना अनिवार्य

रायपुर। भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में जिले के पंजीकृत समस्त कृषकों को पीएम किसान पोर्टल में ई-केवाईसी करवाना अनिवार्य कर दिया गया है। कृषि विभाग जिला रायपुर के उप संचालक राजेन्द्र कुमार कश्यप ने बताया कि शासन द्वारा पीएम किसान योजना का लाभ सही पात्र कृषकों को देने एवं फर्जीवाडे को रोकने हेतु ई-केवाईसी करवाना अनिवार्य कर दिया गया है। इस हेतु पीएम किसान पोर्टल पर भी ई-केवाईसी अपडेट के लिए ऑप्शन दिया गया है।

उन्होंने बताया कि ई-केवाईसी कराने हेतु पंजीकृत कृषक स्वयं पीएम किसान पोर्टल में जाकर अपने आधार कार्ड नंबर का सत्यापन कर सकते है या लोक सेवा केन्द्र, ग्रामीण च्वाईस सेंटर के माध्यम से भी सत्यापन करवा सकते हैं। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि समस्त पंजीकृत कृषकों का ई-केवाईसी कराने हेतु जिला स्तर पर विकासखंडवार नोडल अधिकारी और सहायक नोडल अधिकारी तथा कर्मचारियों की नियुक्ति कर शत् प्रतिशत् कार्य पूर्ण करने हेतु जिम्मेदारी दी गई है। नोडल अधिकारियों को संबंधित विकासखंड में लगातार मॉनिटरिंग कर समय-सीमा में ई-केवाईसी का कार्य शत् प्रतिशत् पूर्ण करते हुए प्रगति प्रतिवेदन कार्यालय उप संचालक कृषि जिला रायपुर ने देने हेतु निर्देशित किया गया है।

विकासखंड धरसीवां के लिए सहायक संचालक कृषि ममता पाटिल, विकासखंड आरंग के लिए अनुविभागीय कृषि अधिकारी दीपक कुमार नायक, विकासखंड अभनपुर के लिए सहायक भूमि संरक्षण अधिकारी एमडी ओझा को तथा विकासखंड तिल्दा के लिए सहायक मिट्टी प्रशिक्षण अधिकारी मनीष दुबे को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

लाभकारी फसलों की खेती के लिए किसानों को किया जा रहा प्रोत्साहित

रायपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिलों में किसानों को धान के बदले अन्य लाभकारी फसलों की खेती के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से विशेष कृषि पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में कांकेर जिले में किसानों को लाभदायी खेती की जानकारी देने के लिए समिति स्तर पर कृषि पखवाड़े के आयोजन का सिलसिला शुरू किया गया है, जिसमें किसानों को धान के बदले अन्य लाभकारी फसलों को अपनाने, रासायनिक खाद के स्थान पर वर्मीकम्पोस्ट, सुपर कम्पोस्ट खाद का उपयोग करने की सलाह दी जा रही है। किसानों को सोसायटियों से वर्मी कम्पोस्ट खाद के साथ-साथ रासायनिक खाद के अग्रिम उठाव की समझाईश दी जा रही है। बीते दिनों पंखाजूर तहसील के ग्राम बड़े कापसी एवं भानुप्रतापपुर तहसील के ग्राम कोरर में विशेष कृषि पखवाड़ा का आयोजन किया गया। जिसमें कृषि आदान सामग्री, कम्पोस्ट खाद का अग्रिम उठाव 30 जून करने, फसल चक्र परिवर्तन को अपनाने, किसान सम्मान निधि हेतु पंजीयन, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, हाईब्रिड धान की खेती को लगातार एक ही खेत में न करने तथा सामान्य धान के स्थान पर लाभकारी सुगंधित धान की खेती करने और धान की खेती विधि तकनीक से करने की समझाईश किसानों को दी गई। कृषि अधिकारियों ने बताया कि फसल चक्र अपनाने से किसानों की आय में वृद्धि होने के साथ ही भूमि के गुणवत्ता में सुधार, जल धारण क्षमता में वृद्धि, पर्यावरण सुधार तथा खेती की लागत में कमी आने से सीधा फायदा किसानों को मिलता है।

छत्तीसगढ़ हाट परिसर में गूंज रही परंपरागत वाद्य यंत्रों की धुन

स्थानीय लोक कलाकारों को मिला मंच

राजधानीवासियों को लुभा रहा छत्तीसगढ़ का लोक संगीत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के पंडरी स्थित छत्तीसगढ़ हाट परिसर में छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा आयोजित 10 दिवसीय राज्य स्तरीय खादी एवं ग्रामोद्योग प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ी लोक गीत एवं नृत्य लोगों को लुभा रहा है। छत्तीसगढ़ के लोक कलाकार यहां संस्कृति विभाग के सौजन्य से अपनी प्रस्तुति दे रहे हैं। छत्तीसगढ़ हाट परिसर में छत्तीसगढ़ी वाद्ययंत्रों की धुन गुंजायमान हो रही है। यह परिसर पूरी तरह से छत्तीसगढ़िया रंग से इन दिनों सरोबार है। प्रदर्शनी में आने वाले लोग छत्तीसगढ़ी लोक गीत एवं नृत्य का आनंद उठा रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि ग्रामोद्योग मंत्री गुरु रूद्रकुमार ने 22 मार्च को राजेन्द्र तिवारी की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया था। इस प्रदर्शनी का आयोजन छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा किया गया है। इस कार्यक्रम का प्रायोजक खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग है। दस दिवसीय आयोजन के दौरान प्रत्येक दिवस संध्या 7 बजे से संस्कृति विभाग के सहयोग से विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किय जा रहे हैं। इसी कड़ी में आज 23 मार्च की सांस्कृतिक संध्या के दौरान लोक कला मंच रायपुर के सुनील तिवारी, अभिषेक सोनकर, पिंकी साहू, महेन्द्र साहू एवं अन्य कलाकारों द्वारा छत्तीसगढ़ी गीत संगीत की शानदार प्रस्तुति दी गई। जिसे लोगों ने देखा और सराहा। यहां छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा फैशन शो का भी आयोजन भी किया जायेगा। प्रदर्शनी में आम जनता का प्रवेश निःशुल्क रखा गया है। सांस्कृतिक संध्याकालीन कार्यक्रम में कल गुरूवार को दिनेश जांगड़े मंडली द्वारा पंथी नृत्य प्रस्तुति दी जाएगी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के अधिकारी-कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित थे।

जनदर्शन में कलेक्टर ने मो. रफीक को दिलवाया बैटरी चालित ट्रायसायकल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर सौरभ कुमार ने कलेक्टर जनदर्शन में आवेदन लेकर पहुंचे मौदहापारा के मो. रफीक को बैटरी चालित ट्रायसायकल दिलवाया। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित कलेक्टर जनदर्शन में मौदहापारा रायपुर के निवासी मो. रफीक ने अपने दिव्यांगता के कारण बैटरी चालित ट्रायसायकल प्रदान करने के लिए कलेक्टर को आवेदन दिया।

कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग के संयुक्त संचालक भूपेंद्र पांडे तत्काल ही हितग्राही को लाभ पहुंचाने निर्देशित किए। समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों ने तत्परता से कलेक्टोरेट परिसर में अपर कलेक्टर बीसी साहू की उपस्थिति में मो. रफीक को बैटरी चलित ट्रायसायकल प्रदान किया।

दिव्यांग मो. रफीक ने जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा की कलेक्टर एवं जिला प्रशासन की मदद से उन्हें भाठागांव में एक दुकान आवंटित किया गया है, जहां वे फल विक्रय का कार्य करते हैं। मौदहापारा से भाठागांव की दूरी अधिक होने के कारण उन्हें आने-जाने में बहुत परेशानी होती थी। अब उन्हें बैटरी चालित ट्रायसायकल मिलने से आसानी से अपने घर से दुकान तक जा सकेंगे तथा उन्हें परेशानियों का सामना भी नहीं करना पड़ेगा। जिससे वे अपने परिवार को भी ज्यादा समय दे पाएंगे।

प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा द्वारा तीन जिलों में स्कूलों का निरीक्षण

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा मूलभूत भाषाई एवं गणितीय कौशल विकास पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इस संबंध में स्कूलों में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों के मूलभूत कौशलों में सुधार किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस तारतम्य में प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. आलोक शुक्ला ने विभिन्न कार्यक्रमों के परिप्रेक्ष्य में जमीनी स्तर पर की जा रही कार्यवाहियों को जानने हेतु तीन जिलों में पूर्व सूचना देकर स्कूलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मुख्यत: बच्चों से पुस्तकें पढ़वाकर और कुछ गणित के सवाल देकर बच्चों का स्तर जानने का प्रयास किया। कुछ स्कूलों में बच्चों ने ठीक से पढ़कर सुनाया वहीं कुछ स्कूलों में

अटक-अटक कर एवं बिना समझे केवल पढने का कार्य ही वे कर पाए। गणित में भी बच्चे सरल अवधारणाओं की समझ बनाने में पूरी तरह सफल नहीं हो पाए। प्रमुख सचिव डॉ आलोक शुक्ला द्वारा फील्ड में जिले एवं जमीनी स्तर के अधिकारियों को सुधार करने हेतु फटकार लगाई। उन्होंने सभी को एक माह का समय देते हुए अपने-अपने जिले के सभी निरीक्षण अधिकारियों को अपने अधीनस्थ शालाओं का निरीक्षण करते हुए केवल बच्चों के पठन, लेखन और गणितीय कौशल के विकास की ओर ध्यान देने, फोकस करने के निर्देश दिए। एक माह के बाद स्कूलों में बच्चे अटक-अटक कर पढ़ते पाए जाने एवं सरल गणित के सवालों को हल नहीं कर पाने की स्थिति में संबंधित अधिकारियों पर कड़ी कार्यवाही किए जाने के संकेत दिए।

बिलासपुर जिले में प्रमुख सचिव द्वारा अंगना म शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत मेले का अवलोकन भी किया। मेले में विभिन्न काउंटर में माताओं द्वारा अपने बच्चों के साथ अलग-अलग गतिविधियां करते हुए घर पर रहकर सीखने के तरीकों का अनुभव ले रही थी। इस अवसर पर मेलें में सबसे सक्रिय माता को स्मार्ट माता के रूप में उन्होंने सम्मानित भी किया। बिलासपुर में यह सम्मान आराधना तान्दिया को मिला। गौरतलब है कि बच्चों के मूलभूत कौशलों में सुधार किए जाने के लिए राज्य की ओर से समय समय पर दिशा-निर्देश जारी होते रहे हैं। सौ दिवसीय गणितीय एवं पठन कौशल अभियान एवं ग्रीष्मकालीन अवकाश में कटौती के बाद विकासखंड शिक्षा अधिकारीयों के माध्यम से बहुत से कार्य फील्ड में किये जाने हैं। शालाओं में अकादमिक निरीक्षण के लिए भी कार्यक्रम तैयार कर ऑनलाइन प्रविष्टि हेतु अधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित किया जा चका है।

किसानों को रबी फसलों के 2 लाख 7 हजार 321 क्विंटल प्रमाणित बीज वितरित

रायपुर। रबी वर्ष 2021-22 में राज्य में किसानों को अब तक विभिन्न प्रकार के रबी फसलों के 2 लाख 7 हजार 321 क्विंटल प्रमाणित बीज का वितरण सहकारी समितियों, कृषि विभाग एवं एवं निजी क्षेत्र के माध्यम से किया जा चुका है, जिसमें गेहूं बीज की मात्रा एक लाख 13 हजार 920 क्विंटल, चना बीज 48,753 क्विंटल, मटर बीज 3332 क्विंटल, सरसों बीज 3685 क्विंटल तथा अन्य रबी फसलों के प्रमाणित बीज की मात्रा 37631 क्विंटल शामिल है।

कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार रबी वर्ष 2021-22 में विभिन्न प्रकार के रबी फसलों के दो लाख 92 हजार 970 क्विंटल प्रमाणित बीज वितरण के लक्ष्य के लिए सहकारी समितियों, कृषि विभाग सहित निजी क्षेत्र में अब तक कुल 2 लाख 7 हजार 950 क्विंटल बीज का भंडारण किया गया है। भंडारण के विरूद्ध किसानों को शत-प्रतिशत बीज का वितरण किया जा चुका है।

स्टेट क्वालिटी मॉनिटर्स के इम्पैनलमेंट के लिए 28 मार्च तक आवेदन

सिविल इंजीनियरिंग से जुड़े सेवानिवृत्त कार्यपालन अभियंता कर सकते हैं आवेदन

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की एजेंसी छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत स्टेट क्वालिटी मॉनिटर्स के इम्पैनलमेंट के लिए आवेदन आमंत्रित किया है। इसके लिए कार्यपालन अभियंता या किसी सरकारी संस्था, केंद्र या राज्य सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम या उनसे संबद्ध कार्यालयों में समकक्ष पद से सेवानिवृत्त सिविल अभियंताओं से आवेदन मंगाया गया है। शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेजों, आईआईटी, एनआईटी या सरकारी अनुसंधान संस्थानों इत्यादि में कार्यरत या सेवानिवृत्त सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक ऐसे फैकल्टी मेम्बर जिन्हें सड़क निर्माण या पुल की डिजाइनिंग, पर्यवेक्षण और परामर्शदाता के रूप में काम करने का अनुभव हो, वे भी इसके लिए आवेदन कर सकते हैं।

सड़क निर्माण कार्यों के निरीक्षण के लिए शासकीय सेवा वाले ऐसे उम्मीदवार वांछित हैं जिन्हें अपनी सेवानिवृत्ति के पहले के आखिरी दस सालों में से कम से कम पांच साल सड़क निर्माण का अनुभव हो। वहीं पुल निरीक्षण के लिए पुल निर्माण की योजना, डिजाइनिंग या क्रियान्वयन में आठ वर्ष के अनुभव वाले ऐसे उम्मीदवार वांछनीय हैं जिन्हें पुल परियोजना के क्रियान्वयन का कम से कम चार वर्ष का अनुभव हो। सड़क और पुल निरीक्षण के लिए दोनों व्यावसायिक योग्यता एवं मैदानी अनुभव रखने वाले उम्मीदवार दोनों कार्यों के लिए आवेदन कर सकते हैं।

स्टेट क्वालिटी मॉनिटर के लिए सभी व्यावसायिक और शैक्षणिक योग्यता धारण करने के साथ ही आवेदक किसी तरह के भ्रष्टाचार का दोषी न हो। कम्प्यूटर और स्मार्ट फोन पर काम कर सकने वाले या निर्धारित समय में इन्हें सीखने के इच्छुक उम्मीदवार इस पद के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदकों को मैदानी अनुभव से संबंधित दस्तावेज भी आवेदन के साथ संलग्न करने कहा गया है।

इम्पैनलमेंट के लिए पात्रता की शर्तें, स्टेट क्वालिटी मॉनिटर्स के कर्तव्य और आवेदन पत्र का प्रारूप वेबसाइट डब्लूडब्लूडब्लू डॉट पीएमजीएसवाई डॉट एनआईसी डॉट इन पर 'डीओ एंड एसक्यूएम सलेक्शन एंड परफॉर्मेंस इवेल्यूएशन शीर्षक के तहत देखी जा सकती है। स्टेट क्वालिटी मॉनिटर्स के रूप में कार्य करने के इच्छुक आवेदक निर्धारित प्रारूप में अपना आवेदन मुख्य कार्यपालन अधिकारी, छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण, विकास भवन, सिविल लाइन, रायपुर को 28 मार्च 2022 तक भेज सकते हैं। अभिकरण ने एनआरआईडीए में नेशनल क्वालिटी मॉनिटर और दूसरे राज्यों में स्टेट क्वालिटी मॉनिटर के रूप में इम्पैनल्ड अधिकारियों तथा 28 मार्च 2022 को 70 साल की उम्र पूरी कर रहे अधिकारियों को आवेदन नहीं करने कहा है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

कई स्वास्थ्य समस्याओं में कारगर है लौंग, आयुर्वेद में इसे माना जाता है 'रामबाण औषधि'

हमारे घरों में रोजाना प्रयोग में लाए जाने वाले कई मसालों और औषधियों को आयुर्वेद में विशेष लाभप्रद बताया गया है। लौंग ऐसी ही एक औषधि है जो कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिम को कम कर सकती है। आयुर्वेद के अलावा मेडिकल साइंस में भी लौंग को बेहद फायदेमंद औषधि के रूप में वर्गीकृत किया गया है। भोजन के स्वाद को बढ़ाने से लेकर कई तरह की दवाइयों के निर्माण तक के लिए इस कारगर औषधि को प्रयोग में लाया जाता रहा है। लौंग के औषधीय गुण इसे बेहद फायदेमंद बनाते हैं, लिवर और दांतों की समस्याओं के साथ रक्त शर्करा के स्तर को स्थिर करने में भी लौंग को प्रयोग में लाकर लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

अध्ययनों से पता चलता है कि लौंग में फाइबर, विटामिन और खनिजों की भरपूर मात्रा पाई जाती है, ऐसे में इसे अपने भोजन में शामिल करके न सिर्फ स्वाद को बढ़ाया जा सकता है साथ ही यह शरीर में महत्वपूर्ण पोषक तत्वों की पूर्ति करने में भी आपके लिए सहायक है। आइए आगे की स्लाइडों में लौंग के सेवन से सेहत को होने वाले ऐसे ही कुछ फायदों के बारे में जानते हैं।

एंटीऑक्सिडेंट गुणों से भरपूर है लौंग

लौंग में कई महत्वपूर्ण विटामिन्स और खनिजों के साथ एंटीऑक्सिडेंट भी भरपूर मात्रा में मौजूद होती है। एंटीऑक्सिडेंट ऐसे यौगिक होते हैं जो ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करते हैं, जो कई तरह की क्रोनिक बीमारियों के जोखिम को बढ़ावा दे सकती है। अध्ययनों में लौंग में यूजेनॉल नामक एक यौगिक पाया गया है, जिसे प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट के रूप में बहुत असरदार माना जाता है। टेस्ट-ट्यूब अध्ययन से पता चलता है कि यूजेनॉल मुक्त कणों के कारण होने वाले ऑक्सीडेटिव क्षति को विटामिन-ई की तुलना में पांच गुना अधिक प्रभावी ढंग से रोक सकता है, जिससे कैंसर जैसे गंभीर रोगों का खतरा कम हो जाता है।

बैक्टीरिया से बचाने में सहायक

लौंग में रोगाणुरोधी गुण पाए गए हैं, जिसका अर्थ है कि ये बैक्टीरिया जैसे सूक्ष्मजीवों के विकास को रोकने में मदद कर सकता है। टेस्ट-ट्यूब अध्ययन से पता चलता है कि लौंग के तेल में ई. कोलाई सहित कई अन्य बैक्टीरिया को मारने का गुण होता है। यह फूड पॉइजनिंग का कारण बनने वाले बैक्टीरिया से भी आपको सुरक्षित रखने में सहायक हो सकता है। इसके अलावा लौंग के जीवाणुरोधी गुण मौखिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में भी मदद कर सकते हैं, जिससे दांतों-मसूड़े की बीमारी का जोखिम कम हो जाता है।

लिवर की सेहत के लिए लौंग के फायदे

अध्ययनों से पता चलता है कि लौंग में पाए जाने वाले फायदेमंद यौगिक, लिवर के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में मदद कर सकते हैं। लौंग में पाया जाने वाला यूजेनॉल यौगिक लिवर की सेहत के लिए विशेष रूप से फायदेमंद हो सकता है। फैटी लिवर के शिकार चूहों को लौंग देकर उनमें लिवर के सूजन को कम करने में मदद मिली। एक अन्य पशु अध्ययन से पता चलता है कि लौंग में पाए जाने वाला यूजेनॉल यौगिक लिवर सिरोसिस या लिवर स्कैरिंग के खतरे को भी कम करने में मदद कर सकता है।

एसएस राजामौली: वह डायरेक्टर जिनकी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में काम कर कई एक्टर बन गए सुपरस्टार

फिल्म आरआरआर जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में साउथ सुपरस्टार रामचरण और एनटीआर जूनियर ने मुख्य भूमिका निभाई है। आरआरआर का दर्शकों को लंबे समय से इंतजार था। यह फिल्म काफी टाइम से बनकर तैयार है लेकिन कोरोना महामारी की वजह से इसकी रिलीज को कई बार टाला जा चुका है। फिल्म का निर्देशन कई ब्लॉकबस्टर फिल्म दे चुके डायरेक्टर एसएस राजामौली ने किया है। आज हम आपको भारतीय सिनेमा के असली बाहुबली यानी एसएस राजमौली के निर्देशन में बनी उन फिल्मों के बारे में बताएंगे जिनसे कई एक्टर सुपरस्टार बन गए।

जूनियर एनटीआर

एसएस राजामौली ने बतौर निर्देशक अपनी पहली फिल्म स्टूडेंट नंबर 1 बनाई थी। इस फिल्म में उन्होंने जूनियर एनटीआर को कास्ट किया था। एनटीआर की भी यह पहली ही फिल्म थी, लेकिन उनकी दूसरी फिल्म इससे पहले ही रिलीज हो गई। बॉक्स ऑफिस पर राजामौली की यह फिल्म जबरदस्त हिट साबित हुई। इस फिल्म से महज 17 साल की उम्र में ही जूनियर एनटीआर सुपरस्टार बन गए।

नितिन

साल 2004 में राजामौली ने सॉय फिल्म का निर्देशन किया। इस फिल्म में उन्होंने तेलुगु एक्टर नितिन को लीड रोल दिया। यह फिल्म भी काफी सफल रही है और साउथ इंडस्ट्री में नितिन स्थापित हो गए। यह फिल्म रग्बी खेल पर आधारित थी जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था।

प्रभास

राजमौली ने प्रभास के साथ कई फिल्मों में काम किया है। उन्होंने बाहुबली एक्टर के साथ सबसे पहले छत्रपति फिल्म बनाई थी। फिल्म ने रिलीज के बाद कई रिकॉर्ड अपने नाम किए थे। इस फिल्म के बाद प्रभास को एक्शन हीरो के रूप में पहचान मिली। बाद में दोनों की जोड़ी ने बाहुबली जैसे फ्रेंचाइजी में काम किया। जिसका रिकॉर्ड आज भी कोई नहीं तोड़ सका है।

रवि तेजा

रवि तेजा की गिनती साउथ के सबसे बड़े एक्टर्स में होती है, लेकिन बहुत कम लोगों को ही यह बात पता होगी कि पहले वह साइड रोल ही किया करते थे। साल 2006 में राजामौली ने उन्हें विक्रमर्कुडु में मौका दिया। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी ब्लॉकबस्टर साबित हुई। इस फिल्म ने रवि तेजा को बतौर एक्टर एक नई पहचान दिलाई। बाद में फिल्म को कई भाषाओं में बनाया गया। अक्षय कुमार स्टारर राउडी राठौर भी विक्रमर्कुडु की ही रीमेक है।

रामचरण तेजा

रामचरण तेजा साउथ फिल्म इंडस्ट्री का एक जाना पहचाना नाम है। वह सुपरस्टार चिरंजीवी के बेटे हैं। उनकी फिल्मों का फैंस को बेसब्री से इंतजार रहता है। मगधीरा उनके करियर की बड़ी फिल्मों में से एक है। इस फिल्म को भी राजामौली ने ही डायरेक्ट किया था। इस फिल्म ने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में राम चरण को अलग मुकाम पर पहुंचा दिया था।

हेल्थ टिप्स: गर्भावस्था में इन चीजों का जरूर करें सेवन, मां बच्चे दोनों की सेहत को मिलेगा लाभ

स्वस्थ बच्चे के जन्म के लिए गर्भवती महिला को भी अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना चाहिए। इसके लिए गर्भावस्था के दौरान महिला के खानपान का विशेष ध्यान दिया जाता है। अच्छे खानपान से गर्भवती महिला स्वस्थ और सेहतमंद होती है, साथ ही खानपान का सीधा असर बच्चे के स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। वहीं गर्भवती महिला के खानपान से ही प्रसव के दौरान होने वाली दिक्कतों से भी बचा जा सकता है। गर्भावस्था में महिला जो भी खाती है, उससे अजन्मे बच्चे पर असर होता है। बच्चे का दिमाग तेज होता है। उसे भरपूर पोषण मिलता है तो प्रसव के बाद स्वस्थ बच्चे का जन्म होता है। ऐसे में गर्भावस्था में महिला को कुछ चीजों का सेवन जरूर करना चाहिए। चलिए जानते हैं प्रेगनेंसी सूपर फूड्स के बारे में जो गर्भवती महिला और होने वाले बच्चे के लिए फायदेमंद है।

पालक

हरी सब्जियों में सारे पोषक तत्व होते हैं। इसमें पालक का सेवन बहुत लाभदायक है। पालक में प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और कई सारे मिनरल्स होते हैं। बच्चों के विकास और बेहतर स्वास्थ्य के लिए पालक का सेवन आवश्यक है। गर्भवती महिला को पालक का सेवन करना चाहिए। इससे अजन्मे बच्चे को बेहतर सेहत और तेज दिमाग मिलता है।

अंडा

अंडा भी पोषण से भरपूर है। अंडे में प्रोटीन के साथ ही विटामिन और मिनरल्स पाए जाते हैं। अंडे में विटामिन डी की मात्री भी अधिक मिलती है। बच्चे के मस्तिष्क के विकास के लिए विटामिन डी महत्वपूर्ण है। इसलिए गर्भवती महिला अंडे का सेवन भी कर सकती हैं।

बादाम

बादाम में काफी सारे पोषक तत्व होते है। बादाम खाने से दिमाग तेज होता है। यह बात गर्भवती महिला और उनके बच्चे पर भी लागू होती है। बादाम में काफी न्यूट्रिएंट्स मिलते हैं। गर्भावस्था में महिला को बादाम का सेवन करना चाहिए। इससे बच्चे का दिमागी विकास बेहतर होता है।

ताजे फल

फल सेहत के लिए लाभदायक होते हैं। ताजे फलों से विटामिन मिलता है। ऐसे में गर्भावस्था में महिला को संतरा, केला, आम, अंगूर, सेब आदि फलों का सेवन करना चाहिए। चाहे तो फलों का जूस बनाकर भी पी सकते हैं।

दही

गर्भवती महिलाओं के लिए दही का सेवन भी सेहतमंद और बच्चे के लिए फायदेमंद है। दही में विटामिन सी समेत बहुत सारा प्रोटीन होता है। रोजाना दही का सेवन करने से प्रसव के बाद स्वस्थ और विकसित बच्चे का जन्म होता है।

दूध

बच्चे हों या बड़े, हर किसी को दूध के सेवन की सलाह दी जाती है। एक गिलास दूध में भरपूर पोषक तत्व होते हैं। गर्भवती महिला और उसके बच्चे के लिए भी दूध बहुत फायदेमंद होता है। इससे शरीर को ताकत मिलती है। सेहत बनती है और बच्चे के दिमाग का भी विकास होता है।

पत्रकार से बदसलूकी मामले में सलमान खान को कोर्ट ने भेजा समन, 5 अप्रैल को पेश होने का दिया आदेश

सलमान खान अपनी फिल्मों के साथ-साथ अपने विवादों के कारण भी जाने जाते हैं। सलमान कई मामलों में जेल तक के चक्कर काट चुके हैं। अब हाल ही में सलमान के खिलाफ मुंबई की अंधेरी कोर्ट ने 3 साल पुराने मामले में समन जारी किया है। एक्टर पर आरोप है कि उन्होंने अशोक श्यमाल पांडे नाम के जर्नालिस्ट से मारपीट की थी।

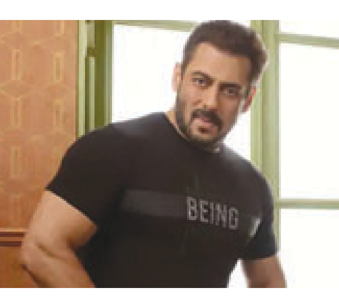

5 अप्रैल को होना है पेश

मुंबई की अंधेरी मजिस्ट्रेट कोर्ट ने सलमान खान और उनके बॉडीगार्ड को IPC की धारा 324, 392, 426, 504 और 506 के तहत दर्ज मामले में अगले महीने 5 अप्रैल की तारीख दी है। जर्नलिस्ट ने कहा था कि सलमान ने उन्हें मारा और फिर उनका फोन भी छीन लिया था। उन्होंने इस घटना के बाद पुलिस पर भी सलमान के खिलाफ की गई शिकायत पर कार्यवाही नहीं करने का आरोप लगाया था।

क्या है मामला

मामला तीन साल पुराना 2019 का है, जब जर्नलिस्ट अशोक पांडे ने सलमान को साइकिल चालाते हुए शूट करने की कोशिश की थी। तभी एक्टर और उनके बॉडीगार्ड ने अशोक से दुर्व्यवहार किया था और उनका फोन भी छीन लिया था। अशोक ने सलमान पर मारपीट का भी आरोप लगाया है।

सिनेमाघरों में 'बच्चन पांडे' की हालत खराब मंगलवार से भी कम रहा छठे दिन का कलेक्शन

अक्षय कुमार की फिल्म 'बच्चन पांडे' 18 मार्च को रिलीज हुई थी। फिल्म रिलीज होने से पहले ही चर्चाओं में बनी हुई थी, इसी वजह से फैंस को अक्षय कुमार की इस फिल्म से काफी उम्मीदें थीं। लेकिन अब 'बच्चन पांडे' फैंस के बीच कुछ खास कमाल दिखाती नजर नहीं आ रही है। फिल्म को रिलीज हुए अभी महज छह दिन हुए हैं और पहले वीकेंड के बाद से ही इस फिल्म की कमाई में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है, जो मेकर्स और अक्षय कुमार के लिए अच्छी खबर नहीं है। फिल्म के छठे दिन का कलेक्शन भी सामने आ गया है, जो कुछ खास नहीं है।

छठे दिन का कलेक्शन

अक्षय कुमार की फिल्म 'बच्चन पांडे' की कमाई में बुधवार को गिरावट देखी गई। फिल्म ने मंगलवार को लगभग तीन करोड़ का कलेक्शन किया था और अब बुधवार को इससे भी कम कमाई हुई है। बुधवार यानी छठे दिन 'बच्चन पांडे' ने लगभग 2.70 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। फिल्म का टोटल कलेक्शन 46.21 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। मौजूदा चलन को देखते हुए, बॉक्स ऑफिस पर 'बच्चन पांडे' को अपने पहले हफ्ते के आखिर तक में 50 करोड़ का कलेक्शन करने में भी काफी संघर्ष करना पड़ रहा है।

बच्चन पांडे' का डे वाइज कलेक्शन

अक्षय कुमार की फिल्म 'बच्चन पांडे' को विवेक अग्निहोत्री की फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' ने कड़ी चुनौती दी है। 'द कश्मीर फाइल्स' 11 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी लेकिन अब तक फिल्म शानदार कलेक्शन कर रही है, जिसका असर 'बच्चन पांडे' के कलेक्शन पर देखने को मिल रहा है। 'बच्चन पांडे' ने पहले दिन 13.35 करोड़, दूसरे दिन 12 करोड़ और तीसरे दिन यानी पहले रविवार को भी 12 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। इसके बाद से ही फिल्म की कमाई में लगातार गिरावट आ रही है। सोमवार को फिल्म ने महज 3.30 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। इसके बाद मंगलवार को फिल्म ने 3 करोड़ की कमाई की।

इन फिल्मों में नजर आएंगे अक्षय कुमार

अक्षय कुमार के साथ इस फिल्म में कृति सेनन और अरशद वारसी नजर आए हैं। फिल्म का निर्देशन फरहाद सामजी ने किया है। ये फिल्म फैंस को खास पसंद नहीं आई। ऐसे में अब दर्शक अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्मों का इंतजार कर रहे हैं। अक्षय की फिल्म 'पृथ्वीराज' 3 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इस फिल्म में अभिनेता के साथ विश्व सुंदरी मानुषी छिल्लर नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन चंद्रप्रकाश द्विवेदी ने किया है और माना जा रहा है कि ये अक्षय कुमार की बड़ी फिल्मों में से एक रहेगी। इसके अलावा, अक्षय के पास 'राम सेतु', 'रक्षा बंधन' और 'मिशन सिंड्रेला' जैसी फिल्में भी हैं।

रनवे-34: अजय देवगन ने 14 कैमरों के सेटअप से महज 2 महीनों में पूरी की फिल्म की शूटिंग

अजय देवगन इस ईद पर 'रनवे-34' लेकर आ रहे हैं। इसे संदीप केवलानी ने 6 साल पुरानी प्लेन दुर्घटना से इंस्पायर होकर लिखा है। अजय देवगन ने न केवल इसमें एक्ट किया है, बल्कि उन्होंने इसे डायरेक्ट, एडिट, स्पेशल इफेक्ट्स समेत पोस्ट प्रोडक्शन से जुड़े 6 अन्य विभागों का जिम्मा भी संभाला है। राइटर संदीप केवलानी ने इसकी पुष्टि की है। 'रनवे-34' एक एविएशन थ्रिलर जॉनर की फिल्म है। इसमें फिल्म का काफी हिस्सा प्लेन के अंदर ही शूट किया गया है। ऐसे में फिल्म में काफी स्पेशल इफेक्ट्स हैं। संदीप बताते हैं, अजय देवगन को नई तकनीकों के साथ फिल्में शूट करने का शौक रहा है। यहां उन्होंने ज्यादातर सीन 14 कैमरों के सेटअप के साथ शूट किया है। इसके चलते कलाकारों को बेहद कम मौकों पर रीटेक करने पड़ते थे, क्योंकि मल्टीपल कैमरा सेटअप उन्हें हर एंगल से फिल्मा रहा था। संदीप आगे बताते हैं, अजय देवगन इस फिल्म पर सिर्फ एक्टर और डायरेक्टर ही नहीं कई मौकों पर बतौर सिनेमैटोग्राफर भी सेट पर मौजूद नजर आते थे। फिल्म में एक सीन प्लेन के कॉकपिट का है। कॉकपिट का हिस्सा बेहद कंजस्टेड होता है। वहां दो पायलट मुश्किल से आ पाते हैं। ऐसे में वहां कैमरे के साथ शूट करना बेहद मुश्किल था। ऐसे में जब फिल्म के तीन सिनेमैटोग्राफर एंगल लेकर शूट नहीं कर पा रहे थे, तो अजय देवगन ने खुद कमान संभाली।

केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री ने सुजलाम 2.0 अभियान लॉन्च किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी) । केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कल विश्व जल दिवस- 2022 के अवसर पर जल शक्ति मंत्रालय के पेय जल तथा स्वच्छता विभाग द्वारा वर्चुअल रूप से आयोजित कार्यक्रम में धूसर जल प्रबंधन के लिए सुजलाम 2.0 अभियान लॉन्च किया।

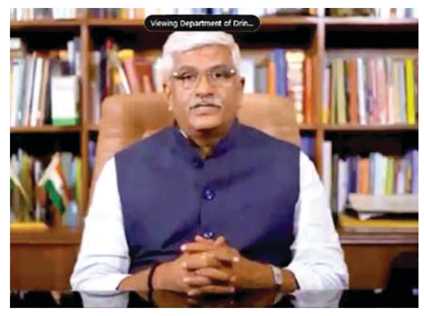

नौ मंत्रालयों- जल शक्ति मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, युवा कार्य तथा खेल मंत्रालय, जनजातीय मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय, पर्यावरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और पंचायती राज मंत्रालय- ने एक संयुक्त परामर्श पर हस्ताक्षर किए जिसके अंतर्गत कार्यक्रम क्रियान्वयन से प्रत्यक्ष रूप से जुड़े लोगों के साथ तालमेल के आधार पर धूसर जल प्रबंधन अपने-अपने स्तर पर प्रारंभ करेंगे।

सुजलाम 2.0 अभियान लॉन्च करते हुए केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि इस वर्ष का विषय है 'भू-जल: अदृश्य को दृश्यमान बनाना'। उन्होंने कहा कि यह अभियान न केवल महत्वपूर्ण बल्कि समय पर प्रारंभ किया गया अभियान है। उन्होंने कहा कि हम भले ही भू-जल को देखने में सक्षम नहीं हैं लेकिन इसका प्रभाव हर जगह दिखता है। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण पहलू पर फोकस करने के लिए उनके मंत्रालय ने जल-भागीदारी के माध्यम से धूसर जल प्रबंधन के उद्देश्य से सुजलाम 2.0 प्रारंभ कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के अंतर्गत हमारी योजना समुदायों, पंचायतों, स्कूलों, आंगनवाड़ी जैसे संस्थानों को संगठित करना है ताकि धूसर जल प्रबंधन कार्य किया जा सके। उन्होंने कहा कि धूसर जल का बेहतर प्रबंधन उसी स्थान पर किया जा सकता है जहां से यह उत्पन्न होता है और यदि यह एकत्रित होता है और रुका रहता है तो इसे बड़े प्रबंधन और अवसंरचना चुनौती में बदला जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमारे पीआरआई घर और सामुदायिक सूखने वाले गड्ढे बना कर सर्वाधिक उचित स्तर पर धूसर जल प्रबंधन सुनिश्चित करेंगे।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा, धूसर जल प्रबंधन के काम को लागू करने के लिए धन एसबीएम-जी फेस चरण-2 या 15वें वित्त आयोग से जुड़े अनुदान या एमजीएनआरईजीएस या सभी के मेलजोल के माध्यम से जुटाया जाएगा। इस अभियान में लोग सामूहिक रूप से स्थिति का आकलन करेंगे, योजना बनाएंगे और धूसर जल प्रबंधन गतिविधियों को लागू करेंगे। धूसर जल प्रबंधन के महत्व को लोकप्रिय बनाने के लिए आईईसी के प्रयास तथा राज्य जिला और स्थानीय स्तर पर सामूहिक सामुदायिक कार्य राज्य, जिला तथा स्थानीय स्तर पर शुरू किया जाएगा। मैं अपने सभी पीआरआई तथा वीडब्ल्यूएससी सदस्यों, स्वच्छाग्राहियों, स्वयं सहायता समूह के नेताओं से स्थानीय स्तर पर सुजलाम 2.0 अभियान तेजी से चलाने का आग्रह करता हूं। यूनिसेफ के जल तथा स्वच्छता प्रमुख निकोलास ऑसबर्ट ने अपने स्वागत भाषण में धूसर जल प्रबंधन पर वैश्विक परिदृश्य को साझा किया। उन्होंने कहा, पूरे विश्व में 2.2 बिलियन लोग जल संकट का सामना कर रहे हैं। सतत विकास लक्ष्य 6 का उद्देश्य सार्वभौमिक रूप से सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल तथा स्वच्छता तक पहुंच प्रदान करना है। आज भारत सरकार के अनेक मंत्रालय जल स्रोत को स्थायी बनाने में रोडमैप तैयार करने के लिए एक साथ आए हैं, यह बहुत प्रसन्नता की बात है। सरकार ने धूसर जल प्रबंधन पर ध्यान दिया है। अनुमान के अनुसार भारत में प्रतिदिन 31 बिलियन लीटर धूसर जल निकलता है। जल संरक्षण के लिए स्थायी व्यवहारों को विकसित करने की आवश्यकता है। अगस्त, 2019 में जल मिशन लॉन्च किए जाने के बाद से इसके अंतर्गत 6 करोड़ नल से पानी के क्नेक्शन दिए गए हैं। देश में कुल 9.24 करोड़ परिवारों को नल से जल मिल रहा है। वर्तमान संदर्भ में ग्रामीण परिवारों से काफी जल निकासी होगी। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि सुजलाम 2.0 अभियान के अंतर्गत 6 लाख गांवों में ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन पर गतिविधि तेज होगी।

खास खबर

कोरर में आयोजित की गई उद्यमिता जागरूकता शिविर

कांकेर। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र कांकेर द्वारा भानुप्रतापपुर विकासखण्ड ग्राम-कोरर में एक दिवसीय उद्यमिता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष हेमंत ध्रुव, जनपद पंचायत भानुप्रतापपुर अध्यक्ष सुश्री बृजबती मरकाम, उपाध्यक्ष सुनाराम तेता, बस्तर विकास प्राधिकरण के सदस्य बिरेश ठाकुर सहित शोएब कुरैशी, गणेश सोनी, अकरम कुरैशी के विशेष उपस्थिति में आयोजित इस शिविर में उद्योग विभाग द्वारा संचालित विभागीय योजनाओं में षिक्षित बेरोजगार युवक युवतियों को स्वयं का उद्योग,सेवा व्यवसाय, व्यवसाय स्थापित करने के लिये राज्य शासन की मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना अंतर्गत ॠण प्राप्त करने पर अ.ज.जाति, अ.जाति को 25 प्रतिशत, अ.वि.वर्ग, महिला, भूतपूर्व सैनिक, दिव्यांग को 15 प्रतिशत, सामान्य वर्ग को 10 प्रतिशत मार्जिनमनी अनुदान दिये जाने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गयी। इसी प्रकार केन्द्र शासन की योजना प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम अंतर्गत उद्योग, सेवा व्यवसाय के लिए 01 लाख रूपये से लेकर 25 लाख रूपये तक का ॠण बैंकों के माध्यम से दिये जाने पर ग्रामीण क्षेत्रों के लिए अ.ज.जाति, अ.जाति, अ.वि.वर्ग, सामान्य वर्ग को 25 प्रतिशत तथा शहरी क्षेत्र में क्रमशः 25 एवं 15 प्रतिशत अनुदान दिये जाने के संबंध में विस्तृत जानकारी दिया गया।

निगम की क्विक रिस्पॉस टीम स्वच्छता शिकायतों का कर रही त्वरित निराकरण

कोरबा। नगर पालिक निगम कोरबा की क्विक रिस्पॉस टीम स्वच्छता संबंधी शिकायतों का त्वरित निराकरण कर रही है एवं साफ-सफाई से संबंधित शिकायतें प्राप्त होने के दो घंटे के अंदर शिकायतों का निराकरण हो रहा है। वहीं आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय द्वारा क्रियान्वित कराए गए नए स्वच्छता मैकेनिज्म पर निगम की सफाई व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो रही है, जिसके सकारात्मक परिणाम शहर की साफ-सफाई पर दिखने लगे हैं, वहीं आमनागरिक भी क्विक रिस्पॉस टीम के कार्यो एवं स्वच्छता शिकायतों का किए जा रहे त्वरित निराकरण की प्रशंसा कर रहे हैं। यहाँ उल्लेखनीय है कि विगत दिनों महापौर राजकिशोर प्रसाद एवं आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय ने हरी झण्डी दिखाकर निगम की क्विक रिस्पॉस टीम को स्वच्छता संबंधी शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु फील्ड में उतारा था। संबंधी शिकायतों के तेजी से निराकरण हेतु यह महत्वपूर्ण नवाचार करते हुए क्विक रिस्पॉस टीम गठित कर टीम के साथ दो वाहनों एवं आवश्यक मानव बल व संसाधनों को शामिल कर शिकायतों के प्राप्त होने के 02 घंटे के अंदर उनके निराकरण के निर्देश दिए थे।

हस्त शिल्प प्रदर्शनी : कांथा वर्क की साड़ियां, लौह और बेल मेटल शिल्प आकर्षण का केन्द्र

हरियाणा, बंगाल और ओडिशा सहित कई राज्यों के हस्त शिल्पियों के लगाए गए है स्टॉल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। हरियाणा, बंगाल और ओडिशा सहित कई राज्यों के हस्त शिल्पियों के लगाए गए है स्टॉलहरियाणा, बंगाल और ओडिशा सहित कई राज्यों के हस्त शिल्पियों के लगाए गए है स्टॉल राजधानी रायपुर के पंडरी स्थित छत्तीसगढ़ हाट में बस्तर के कांथा वर्क की साड़ियां, बंगाल के वर्धमान जिले में कपड़ों पर होने वाली आकर्षक कारीगिरी और आदिवासी शिल्पियों द्वारा तैयार की गई लौह, कांस्य शिल्प लोगों को आकर्षित कर रही है। छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग द्वारा यहां दस दिवसीय राज्य स्तरीय हस्तशिल्प प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ सहित हरियाणा, बंगाल, ओडिशा सहित विभिन्न राज्यों के हस्तशिल्पियों के उत्पादों के 50 स्टॉल लगाए गए हैं।

छत्तीसगढ़ के वनौषधि, वनोत्पाद सहित विभिन्न प्रकार के उत्पादों के साथ ही छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का लुफ्त भी उठाया जा सकता है। यह प्रदर्शनी 31 मार्च तक चलेगी।

कांथा वर्क की साड़ियां

बस्तर आर्ट के कांथा वर्क के द्वारा बनाई गई साड़ी विशेष आकर्षण का केंद्र है। माना हस्तशिल्प केंद्र की श्रीमती मैयत्री बॉस ने बताया कि बस्तर आर्ट का कांथा वर्क की साड़ी बनाने में करीब 3 से 4 महीने का समय लगता है। इसमें बस्तर के पारंपरिक पेड़-पौधे, जीव जंतुओं जैसे कुल 24 थीम को छोटी सुई और धागा के माध्यम से साड़ी में उकेरा जाता है। एक साड़ी की कीमत 7000 से 15000 रूपए तक है। हस्त शिल्प संस्थान माना की प्रबंधक श्रीमती मैत्री ने बताया कि वे अब तक 300 से अधिक कारीगरों को इसका प्रशिक्षण दे चुकी हैं। वे स्थानीय स्तर पर ऐसे साड़ियों का उत्पादन कर रोजगार प्राप्त कर रहे हैं।

लौह शिल्प की कलाकृतियां

कोंडागांव के गांव किड़ईछपेड़ा के कारीगर सागर विश्वकर्मा बताते है कि उनके द्वारा लोहे के पट्टियों को कलाकृतियों के अलग-अलग हिस्से का रूप प्रदान किया जाता है। जिससे लोक नर्तक बिगुल तथा अन्य आदिवासी वाद्ययंत्र की कलाकृति बनाई जाती है। जिससे रंगरोगन का सुंदर रूप प्रदान किया जाता है, इसकी बाजार में अच्छी मांग है।

बांस के सोफे

प्रदर्शनी में बांस से बनी सजावटी वस्तुओं के साथ ही घरों में उपयोग में आने वाले सोफे भी बिक्री के लिए रखे गए है। इस समानों को गरियाबंद के स्थानीय कारीगरों ने तैयार किए है। स्टॉल में बांस के सोफा, टेबल के साथ ही घरों में सजावट के लिए अन्य उपयोगी सामग्री भी बेची जा रही है। प्रदर्शनी में रायगढ़ जिले के बेल मेटल शिल्पियों द्वारा तैयार की गई मूर्तियां, सजावटी समान, दैनिक उपयोग की वस्तुएं जैसे-लाईट लैम्प, ज्वेलरी आदि की बिक्री की जा रही है।

सारंगढ़ के बेल मेटल शिल्पी मनोज कुमार ने बताया कि स्थानीय कलाकारों द्वारा पीतल धातु से बनाए गए बेल मेटल से तैयार की गई सजावटी समान की शहरों में विशेष मांग रहती है। उन्होंने बताया कि उनके क्षेत्र में 400 से अधिक कुशल कारीगर इस कार्य से जुड़े है। बेल मेटल की सजावटी वस्तुओं के निर्माण में मोम और गूगल धूप का भी उपयोग किया जाता है।

उन्होंने बताया कि बेल मेटल से बनाई गई वस्तुओं को राजधानी दिल्ली सहित अन्य राज्यों में भी लोग पसंद करते हैं, इससे कारिगरों को प्रोत्साहन मिल रहा है।

सेनेटरी नेपकीन

जीवन वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा सेनेटरी नेपकीन निर्माण का किया जा रहा कार्य जनमानस के लिए प्रेरणादायी है। इस फाउंडेशन की प्रतिनिधि श्रीमती अस्मिता बताती है कि उनकी संस्था में 600 से 700 महिलाएं जुड़ी हुई जो अलग-अलग मोहल्ले गांव में जाकर सेनेटरी नेपकीन के प्रति जागरूक करती है। इन महिलाओं द्वारा सेनेटरी नेपकीन बनाया जाता है, जो बाजार में अन्य निजी कम्पनियों द्वारा बनाए गए सेनेटरी नेपकीन की अपेक्षा सस्ती है। यह कॉटन से बनी है जो महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद है।

कुंडा को तहसील बनाने की घोषणा पर क्षेत्रवासियों ने मुख्यमंत्री का जताया आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से यहां उनके निवास कार्यालय में पंडरिया विधायक श्रीमती ममता चन्द्राकर के नेतृत्व में कबीरधाम जिले के कुंडा क्षेत्रवासियों के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा विधानसभा के बजट सत्र में कुंडा को तहसील का दर्जा दिए जाने की घोषणा करने पर मुख्यमंत्री का आभार जताया।

मुख्यमंत्री श्री बघेल को क्षेत्रवासियों ने बताया कि कुंडा को तहसील बनाने की मांग लंबे समय से की जा रही थी।

तहसील बन जाने से अब इस इलाके में शिक्षा, स्वास्थ्य, राजस्व कार्य आदि से सम्बंधित सुविधाओं तक लोगों की पहुंच और सुगम होगी। इस घोषणा से कुंडा क्षेत्र के निवासियों में हर्ष की लहर है। इस अवसर पर सर्वश्री धनुक वर्मा, हरेंद्र चंद्राकर, अशोक चंद्राकर, रुपेंद्र वर्मा, कुलेश्वर चन्द्राकर, मनोहर चन्द्राकर सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

प्रदेश में पीएचसी, सीएचसी एवं जिला अस्पतालों में टीबी का निःशुल्क ईलाज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। टीबी मरीजों की पहचान के लिए डोर-टू-डोर कैंपेन, प्रदेश को टीबीमुक्त बनाने शासन द्वारा उठाए जा रहे हैं कई कदम टीबी (क्षय रोग) की वजह से होने वाले स्वास्थ्यगत, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्परिणामों के प्रति लोगों को जागरूक करने हर वर्ष 24 मार्च को विश्व क्षय दिवस मनाया जाता है। पूरी दुनिया में इस साल विश्व क्षय दिवस 'इनवेस्ट टू एन्ड टीबी. सेव लाइव्स (ढ्ढ1द्दह्ल ह्लश श्वठ्ठस्त्र ञ्जक्च. स्न्1द्द स्द्ध1द्दह्य)' की थीम पर मनाया जा रहा है। वर्ष 2023 तक छत्तीसगढ़ को टीबीमुक्त करने राज्य शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा अनेक कदम उठाए जा रहे हैं। टीबी एक संक्रामक बीमारी है, जो शरीर के हर अंग को प्रभावित करती है। खासतौर पर यह फेफड़ों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाता है। टीबी माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस नामक बैक्टीरिया से फैलता है। यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलने वाली बीमारी है। यह उन व्यक्तियों को जल्दी अपनी चपेट में ले लेता है जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है। समय पर इसके लक्षणों की पहचान और उपचार कराकर इस रोग से बचा जा सकता है।

क्षय नियंत्रण कार्यक्रम के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. धर्मेन्द्र गहवई ने बताया की प्रदेश में टीबी रोगियों की पहचान के लिए व्यापक डोर-टू-डोर कैंपेन चलाया जा रहा है। इसके तहत दो करोड़ 63 लाख से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग की गई है, जिनमें से 2300 लोग इससे पीड़ित पाए गए हैं। उन्होंने बताया कि रोगियों को निर्धारित श्रेणी के अनुसार ट्रीटमेंट सपोर्टर की देखरेख में दवाई खिलाई जाती है। टीबी का इलाज कम से कम छह महीने का होता है। कुछ विशेष अवस्थाओं में डॉक्टर की सलाह पर टीबी का इलाज छह महीने से अधिक तक चलाया जा सकता है। टीबी के उपचार के दौरान कई मरीज कुछ स्वस्थ होने के बाद दवाई का सेवन बंद कर देते हैं, जिससे यह रोग और विकराल रूप ले सकता है।

प्रदेश के सभी शासकीय स्वास्थ्य केंद्रों में टीबी के इलाज के लिए अच्छी गुणवत्ता की दवाईयाँ उपलब्ध है। सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और जिला अस्पतालों में इसकी निःशुल्क जांच, इलाज और दवाई उपलब्ध है। प्रदेश में टीबी के सभी पंजीकृत मरीजों को क्षय पोषण योजना के तहत इलाज के दौरान पोषण आहार के लिए प्रति माह 500 रूपए की राशि दी जाती है।

सरकार तुंहर द्वार कार्यक्रमः समाधान शिविर में नौ हजार से अधिक लोगों को विभिन्न सेवाओं का मिला लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। सरकार तुंहर द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखण्ड पोंडी उपरोडा के ग्राम पंचायत पसान में वृहद समाधान शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में एक ही दिन में नौ हजार 557 लोगों को फौती, नामांतरण, राशन कार्ड, पेंशन, दिव्यांगता प्रमाण पत्र, किसान क्रेडिट कार्ड आदि शिविर स्थल में ही बनाकर ग्रामीणों को दी गई।

शिविर में पाली तानाखार क्षेत्र के विधायक मोहित राम केरकेट्टा, बिलासपुर संभागायुक्त डॉ. संजय अलंग एवं कलेक्टर श्रीमती रानू साहू शामिल हुए। समाधान शिविर के माध्यम से ग्रामीणों के राशन, पेंशन, मजदूर कार्ड आदि से संबंधित लंबित प्रकरणों का तत्काल निराकरण किया गया। शिविर के पहले नागरिको से उनकी

समस्याओं से संबंधित घर-घर सर्वे करके आवेदन लिए गए थे। आवेदनों के निराकरण पश्चात सेवाओं के दस्तावेजों को शिविर स्थल में ही ग्रामीणों को दिए गए। समाधान शिविर में पसान क्लस्टर के अंतर्गत 21 ग्राम पंचायतों के नागरिकगण सेवाओं का लाभ लिए। शिविर में 22 विभागों द्वारा विभिन्न प्रकार की सेवाएं उपलब्ध कराई गई। शिविर स्थल में राजस्व विभाग के अंतर्गत मुआवजा प्रकरण, वनाधिकार पट्टे का वितरण, फौती नामांतरण, किसान किताब, सीमांकन एवं डिजिटल हस्ताक्षरित बी-1 वितरण आदि 2501 प्रकरणों का निराकरण किया गया। जिला पंचायत मनरेगा के अंतर्गत 397 हितग्राहियों का जॉब कार्ड बनाकर दिया गया। 03 महिलाओं को मातृत्व भत्ता दिया गया। 05 चक्रीय निधि एवं 05 बैंक ॠण का वितरण किया गया। इसी प्रकार स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 192 हितग्राहियों को शौचालय निर्माण प्रोत्साहन राशि दी गई है। समाज कल्याण विभाग द्वारा 277 हितग्राहियों को दिव्यांग उपकरण, पेंशन, जन्म - मृत्यु प्रमााण पत्र एवं दिव्यांग सहायता योजना अंतर्गत लाभांवित किया गया। खाद्य विभाग अंतर्गत 996 हितग्राहियों के नवीन राशन कार्ड, राशन कार्ड में संशोधन, नामिनी सुविधा एवं दिव्यांग, बुजुर्गो का राशन कार्ड निर्माण किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 44 दिव्यांगता प्रमाण पत्र, 1942 हितग्राहियों का आयुष्मान कार्ड बनाया गया। साथ ही गंभीर रूप से बीमार मरीजों का भी चिन्हांकन किया गया। आदिवासी विभाग अंतर्गत 52 विद्यार्थियों को स्थायी जाति और निवास प्रमाण पत्र वितरित किया गया।

YOGESH COMPUTER
Sale & Service
All Computer Peripherals & Repairing
Yogesh Sirame
Mo-9893342971
7748064280
Hardware, CCTV Camera, Networking, Software
Azad Chowk, Muktidham Raod, Ramnagar, Supela, Bhilai
e-mail: sirameyogesh@gmail.com

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

GREEN COMPUTER
Sales, Services, Repairs
Laptop Repairing
Printer
Desktop
7/2, Dakshin Gangotri, Supela, Bhilai
0788-4083385

Y Fitness
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
start 17500/-
Bajaj Finance Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

पलंग, सोफा सेट, अलमिरा, ड्रेसिंग टेबल, डायनिंग टेबल, कम्प्यूटर टेबल, रिवालविंग चेयर, इत्यादि
हीरा फर्निचर
शॉप - ए-48/2, दक्षिण गंगोत्री, सुपेला चौक, भिलाई, जिला - दुर्ग (छ.ग.)
7489961928
7587427070

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
कवर ही कवर
I-PHone,Samsung, MI, Oppo, Vivo, Nokia, HTC, Blue tooth Charger, Power Bank, Ear Phone, BT. Speakar
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

मछली पकड़ने भैंसाझार नहर गया युवक डूबा

बिलासपुर (ए)। बुधवार की सुबह देवरीखुर्द से भैंसाझार डेम के पास नहर में मछली पकड़ने के लिए गया युवक डूब गया। इसकी सूचना पर रतनपुर पुलिस पहुंच गई। देर शाम तक उसकी तलाश की गई। अंधेरा होने के कारण खोज रोक दी गई है। रतनपुर थाना प्रभारी शांत कुमार साहू ने बताया कि बुधवार की सुबह देवरीखुर्द निवासी प्रदीप यादव(26) अपने साथी चंदन दास के साथ मछली पकड़ने भैंसाझार डेम के पास नहर में गए थे। दोनों दोस्त नहर में नहाने के लिए उतर गए। पानी का अंदाजा नहीं होने के कारण प्रदीप गहराई में चला गया। उसने मदद के लिए चंदन को आवाज लगाई। चंदन उसे बचाने का प्रयास करता इससे पहले ही वह गहरे पानी में गायब हो गया। चंदन ने इसकी जानकारी रतनपुर पुलिस को दी। इस पर जवान मौके पर पहुंचकर गांव वालों की मदद से उसकी तलाश करने लगे। देर शाम तक पानी में डूबे युवक का पता नहीं चल पाया। अंधेरा होने के कारण तलाशी अभियान रोक दिया गया है।

गायब युवक की बाइक मिली नदी के पास, एनीकट में पुलिस कर रही तलाश

बिलासपुर (ए)। सरकंडा क्षेत्र के परसाही में रहने वाला महेंद्र पटेल मंगलवार की रात घर में लगरा जाने की बात कहकर निकला था। रातभर वह वापस नहीं लौटा। इस पर स्वजन उसकी तलाश कर रहे थे। इसके बाद सरकंडा पुलिस को गुम इंसान की सूचना दी गई। पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी। इस बीच उसकी बाइक खारंग नदी के तट पर सीपत पुलिस को मिल गई। इसकी जानकारी होने के बाद सरकंडा थाना प्रभारी जवानों के साथ मौके पर पहुंचे। पूछताछ के बाद उन्होंने एसडीआरएफको इसकी सूचना दी। एसडीआरएफ के जवानों ने बुधवार की दोपहर मौके पर पहुंचकर लगरा एनीकट के पास पानी में युवक की तलाश शुरू कर दी। देर शाम तक युवक का पता नहीं चल पाया था।

कार की टक्कर से तीन आहत, घायल को छोड़कर भागे

बिलासपुर (ए)। रतनपुर में रहने वाले रज्जाक मोहम्मद 19 मार्च को अपनी पत्नी शायरा बानो और बेटे अलफाद के साथ करगीकला जा रहो थे। बाइक सवार लिटिया गांव के पास पहुंचे थे। पुल के पास सामने से आ रही वैगनआर के चालक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में रज्जाक के सिर, हाथ, पैर में चोटे आई। उनकी पत्नी शायरा के कमर और पीठ में चोटे आई है। वहीं, उनके बेटे अलफाद के पैर और हाथ में चोटे आई। तीनों को उपचार के लिए सिम्स में भर्ती कराया गया। बाद में स्वजन उन्हें लेकर निजी अस्पताल गए। निजी अस्पताल में उनका उपचार चल रहा है। आहत के ससुर ने घटना की शिकायत कोटा थाने में की है।

मारपीट का बदला लेने कर दी युवक की हत्या

शराब पिलाने के बहाने ले गए खेत, फिर गला घोटकर जला दिया शव, 2 गिरफ्तार

कवर्धा (ए)। कवर्धा में होली की दिन मिली युवक की अधजली लाश मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस ने बताया है कि युवक की हत्या की गई थी। उसकी हत्या किसी और ने नहीं बल्कि उसके पूर्व परिचितों ने की थी। दो लोगों ने मारपीट का बदला लेने युवक का गला घोटकर मार दिया। इसके बाद उसके शव को जला दिया था। मामला पाण्डातराई थाना क्षेत्र का है।

18 मार्च को पाण्डातराई इलाके के खेत में युवक की अधजली हुई लाश मिली थी। सूचना मिलती ही पुलिस की टीम मौके पर गई थी। जांच पड़ताल करने पर पता चला कि युवक का नाम जुगेश साहु (24) है। वह पाण्डातराई के वार्ड क्रमांक एक का रहने वाला था। इसके बाद पुलिस ने उसके शव का पीएम कराया था। फिर मामले की जांच शुरू की थी।

पीएम रिपोर्ट से खुला मौत का राज

पुलिस ने मामले की जांच शुरू की थी। मगर शुरुआत में पुलिस को कुछ खास सपलता नहीं मिली। जिसके बाद पुलिस ने आस-पास के लोगों से भी पूछताछ शुरू की थी। इधर, पीएम रिपोर्ट भी आई गई थी। जिसमें पता चला कि युवक की गला घोटकर हत्या की गई है। रिपोर्ट आने के बाद ही पुलिस ने केस में जांच और तेज कर दी थी।

युवक के घर के पास दिखे थे 2 लोग

इस केस में जब पुलिस ने आस-पास के लोगों से पूछताछ की तो गांव के ही एक शख्स ने पुलिस को बताया कि होली की सुबह विनोद गंधर्व (34) और रोहित निषाद(20) मृतक के घर के पास दिखे थे। इस पर पुलिस ने दोनों को हिरासत में लिया और उनसे भी पूछताछ की। पूछताछ में दोनों ने जो बताया वह हैरान करने वाला था। दोनों ने बताया कि हम लोग एक दूसरे को पहले से जानते थे। हम लोग का कुछ समय पहले जुगेश से झगड़ा हुआ था। जिसके चलते खूब मारपीट हुई थी। इसी का बदला लेने हमने उसकी हत्या की योजना बनाई थी।

सुबह ही चले गए थे घर

दोनों ने बताया कि होली की सुबह हम जुगेश के घर गए थे। हमने उसे शराब पिलाने की बहाने खेत ले गए। इसके बाद हमने वहां उसे खेत में ही पटक दिया। फिर गमछा से उसका गला घोट दिया था। बाद में हमने उसके शव को जला दिया और भाग गए थे। अब इस केस में पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपी पाण्डातराई के अलग-अलग वार्ड के रहने वाले हैं।

तीन महीने से फरार आरोपी के कब्जे से 55 लाख का कोयला जब्त

बिलासपुर (ए)। चार करोड़ के कोयले की हेराफेरी के बाद फरार आरोपित को पुलिस उत्तर प्रदेश के बलिया जिले से गिरफ्तार कर लाई है। आरोपित की निशानदेही पर पुलिस ने 55 लाख रुपये का कोयला जब्त किया है। इसे पुलिस ने प्रार्थी को सुपुर्द किया है। पुलिस ने आरोपित को न्यायालय में पेश किया है। सकरी थाना प्रभारी फैजुल शाह ने बताया कि तिफरा के यदुनंदन नगर में रहने वाले ट्रांसपोर्टन केपी पियासी ने धोखाधड़ी की शिकायत की है। उन्होंने पुलिस को बताया कि रूगंटा माइंस लिमिटेड की ओर से उन्हें रानी अटारी खदान से 37 हजार 500 टन कोयले की ट्रांसपोर्टिंग का आर्डर मिला था। इसे डेढ़ महीने में पूरा करना था।

उन्होंने अपने परिचित ब्रिजेश सिंह के माध्यम से अलका एवेन्यू में रहने वाले दीपक सिंह, राजू सिंह और मुरारी सोनी से ट्रांसपोर्टिंग के लिए पार्टनरशिप की। काम के दौरान कंपनी से भुगतान रुकने पर दीपक, राजू सिंह और मुरारी सोनी ने मिलकर ट्रांसपोर्टर और ब्रिजेश को बिना बताए 23 ट्रेलर के कोयले को गायब कर दिया। कोयले की हेराफेरी होने की जानकारी होने पर ट्रांसपोर्टर ने मामले की शिकायत सकरी थाने में की। जुर्म दर्ज होने के बाद आरोपित दीपक सिंह, राजू सिंह और मुरारी सोनी फरार हो गए। पुलिस ने दिसंबर 2021 में मुरारी और राजू को पकड़ लिया। इधर, दीपक सिंह अपने ठिकाने से फरार था।

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपित दीपक अपने मूल निवासी ग्राम दराव थाना बांसडीह जिला बलिया उत्तर प्रदेश में छिपा हुआ है। इस पर पुलिस की एक टीम उसके गांव रवाना किया गया। टीम ने आरोपित के ठिकाने पर दबिश देकर पकड़ लिया। सोमवार को पुलिस की टीम उसे लेकर सकरी पहुंची। पूछताछ में आरोपित ने एक हजार चार सौ टन कोयले को हिर्री क्षेत्र के मोहदा स्थित ज्ञानेंद्र साहू के कोल डिपो में छिपाकर रखने की जानकारी दी। पुलिस ने कोल डिपो में दबिश देकर कोयला जब्त कर लिया। जब्त कोयले को ट्रांसपोर्टर केपी पियासी को सौंपा गया है।

जंगल में पानी लाने से मना किया तो बचपन के दोस्तों ने ही मार डाला

टंगिया से हत्या की, फिर शव घसीटकर घर के सामने फेंक दिया

गरियाबंद (ए)। गरियाबंद में दो युवकों ने अपने बचपन के दोस्त की हत्या कर दी। पहले उसे मारा पीटा, फिर टंगिया से वार कर दिया। इसके बाद उसके शव को उसी के घर के सामने फेंक कर भाग गए। युवक की गलती सिर्फ इतनी थी कि उसने जंगल में पानी लाने से इनकार कर दिया था। पुलिस ने गुरुवार सुबह दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामला मैनपुर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, बोइरगांव निवासी मंगलूराम (25) का शव मंगलवार शाम उसके ही घर के सामने खून से लथपथ पड़ा मिला था। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची तो मंगलूराम के शरीर पर चोट के निशान थे। वहीं पास में टंगिया पड़ा हुआ था। इस पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रिपोर्ट आई तो पता चला कि मंगलूराम पर टंगिया से उस पर वार किया गया था।

पुलिस पूछताछ में पता चला कि बेहराडीह निवासी मोहन नेताम व रोहित यादव और मंगलूराम तीनों घनिष्ठ मित्र थे। तीनों वारदात से पहले एक साथ जंगल में देखे गए थे। इस पर पुलिस ने संदेह के आधार पर मोहन नेताम ओर रोहित यादव को हिरासत में ले लिया। दोनों से पूछताछ की गई तो उन्होंने पुलिस के सामने मंगलूराम की हत्या कर शव फेंकने की बात को स्वीकार कर लिया।

आरोपियों ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि तीनों वारदात से पहले जंगल में घूमने गए थे। वहां उन्होंने मंगलूराम से पानी लाने के लिए कहा तो उसने विवाद शुरू कर दिया और गालियां देने लगा। इस पर दोनों आरोपियों ने पहले मिलकर उसकी पिटाई कर दी, फिर गुस्से में टंगिया से वार कर उसे मार डाला। इसके बाद शव को घसीट कर ले गए और उसके घर के सामने फेंक दिया।

दुष्कर्म के बाद समझौते का दबाव बनाने पर महिला ने की आत्महत्या, जुर्म दर्ज

बिलासपुर (ए)। तोरवा क्षेत्र में रहने वाले युवक ने शादी का झांसा देकर महिला से छह साल तक दुष्कर्म किया। इस बीच उसने महिला के नाम से अलग-अलग जगहों से छह लाख रुपये कर्ज भी ले लिया। बाद में उसने दूसरी युवती से शादी कर ली। इसकी शिकायत पर पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जमानत पर छूटने के बाद वह पीड़िता को धमकाने लगा। इससे परेशान होकर महिला ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। मामले की जांच के बाद पुलिस ने आरोपित युवक के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर लिया है।

तोरवा क्षेत्र में रहने वाली 30 वर्षीय महिला निजी संस्थान में काम करती थी। उसके पति की मौत हो चुकी थी। महिला को शादी का झांसा देकर देवरीखुर्द में रहने वाला प्रेमशंकर साहू उसके साथ रहने लगा। उसने लोगों को उसका पति बताकर अलग-अलग समूह से छह लाख रुपये लोन भी ले लिया। बाद में उसने दूसरी युवती से शादी कर ली। महिला ने इसकी शिकायत तोरवा थाने में की। इस पर पुलिस ने युवक के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया।

न्यायालय के आदेश पर युवक को जेल भेज दिया गया। जमानत पर छूटने के बाद वह महिला पर समझौते के लिए दबाव बना रहा था। इसके अलावा वह उससे रुपये भी मांगता था। इससे परेशान होकर महिला ने पांच दिसंबर 2021 को जहर सेवन कर लिया। इससे उसकी मौत हो गई। महिला की मौत के बाद पुलिस ने उसका मोबाइल जब्त कर जांच शुरू की। युवक और महिला के बीच मोबाइल मैसेज की जांच के बाद पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर लिया है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग, दुर्ग

// मैन्युअल पद्धति निविदा सूचना //

ज्ञाप क्रमांक - 4525/ व.ले.लि. / लेखा खण्ड / 2020-21 दुर्ग, दिनांक 21.03.2022

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु प्रमुख अभियंता, लो.नि.वि. रायपुर द्वारा जारी भवन/सड़क SOR दिनांक 0101.2015 तथा निविदा तिथि तक जारी संशोधन के अंतर्गत मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 01.04.2022 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि :- 04.04.2022 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 11.04.2022 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :- 12.04.2022 पूर्वान्ह 11.30 बजे से

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम / No of Calls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3
32 T0453	केन्द्रीय जेल दुर्ग में 50-50 बंदी क्षमता के निर्मित बंदी बैरक एवं नाली के मरम्मत कार्य (द्वितीय आमंत्रण)	15.52
32 T0454	विशेष गृह एवं प्लेस ऑफ सेफ्टी के नवीन हेतु बाउण्ड्रीवाल निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)	16.80

☐ General Condition ☐ Plant Condition ☐ Special Condition

नोट :-1. " It is mandatory for the "B", "C" & "D" Class bidders, to submit (Annexure3, Annexure-"2".
2. It is Mandatory For The "A" Class bidder, to submit affidavit (Annexure 3, Appendix1, Anexure 1,2.
3. अन्य निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। एवं अन्य निविदा संबंधी शर्तों का अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग
संभाग, दुर्ग

जी-68937/4

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लो.नि.वि. (भ/स) संभाग, बेमेतरा

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक- 1396/NIT-43/2021-2022/वलेलि दिनांक: 21.03.2022

छत्तीसगढ़ राज्य में बेरोजगार युवकों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किये गये ''ई'' श्रेणी पंजीयन में पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा प्रपत्र AE में प्रकाशित दर पर ब्लॉक स्तर पर निविदा प्रथम आमंत्रण में आमंत्रित की जाती है.

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 31.03.2022 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि - 07.04.2022 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि - 08.04.2022 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम/	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि (रू. में)
1	2	3
1	ग्राम एरमसाही में अरब चौक से प्राथमिक शाला भवन तक पहुंच मार्ग	17.76 13320.00
2	ग्राम घुरसेना में मुख्य मार्ग से पंचायत भवन तक पहुंच मार्ग निर्माण	17.76 13320.00
3	ग्राम मगरघटा में मुख्य मार्ग से हायर सेकेण्डरी स्कूल भवन तक पहुंच मार्ग निर्माण	17.76 13320.00
4	ग्राम करमसेन में मुख्य मार्ग से नवापारा प्राथमिक शाला भवन तक पहुंच मार्ग निर्माण	17.76 13320.00
5	ग्राम चक्रवाय मुख्य मार्ग से हाईस्कूल तक पहुंच मार्ग निर्माण	17.76 13320.00
6	ग्राम दुधिया मुख्य मार्ग से प्राथमिक शाला तक पहुंच मार्ग निर्माण	17.76 13320.00
7	ग्राम उडतला मुख्य मार्ग से आंगनबाड़ी केन्द्र तक पहुंच मार्ग निर्माण	6.10 4580.00
8	ग्राम चंदनू मुख्य मार्ग से हायर सेकेण्डरी स्कूल पहुंच मार्ग निर्माण	3.24 2430.00
9	शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छिरहा में (सी.सी. मार्ग) पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	19.01 14260.00
10	शासकीय बालक उ.मा. विद्यालय नवागढ़ में पहुंच मार्ग निर्माण	19.97 15000.00

निविदा संबंधी शर्तों का अवलोकन संभागीय कार्यालय में किया जा सकता है.

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. (भ/स) संभाग, बेमेतरा

जी-68958/4

खास - खबर

सेल-बीएसपी के आरएसएम ने आर-260 ग्रेड रेल के उत्पादन में बनाया नया दैनिक रिकॉर्ड

भिलाई। राष्ट्र के लिए रेल निर्माता के रूप में, सेल का भिलाई इस्पात संयंत्र, भारतीय रेलवे के दिन-प्रतिदिन के संचालन का एक अभिन्न अंग बन चुका है। सेल-बीएसपी ने भारतीय रेलवे के कड़े स्पेसिफिकेषनों के अनुसार विश्व स्तरीय रेलों की रोलिंग की है। वर्तमान में रेलवे को नए 60 ई-1 प्रोफाइल के साथ नए आर-260 ग्रेड रेल का उत्पादन और आपूर्ति कर रहा है। इस कड़ी में सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल ने 22 मार्च, 2022 को 60 ई-1 प्रोफाइल के साथ आर-260 ग्रेड रेल के 2078 टन की रोलिंग कर दैनिक उत्पादन का नया कीर्तिमान स्थापित किया है जो कि 11 मार्च, 2022 को स्थापित 1931 टन की रोलिंग के दैनिक उत्पादन से कहीं अधिक है। इसके साथ ही सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल ने 21 मार्च, 2022 को 60 ई-1 प्रोफाइल के साथ आर-260 ग्रेड रेल के 260 मीटर लंबे रेल्स की 42 नग दैनिक उत्पादन का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने आरएसएम बिरादरी को बधाई देने के साथ ही उनके सहयोगी विभाग एसएमएस-2, एसएमएस-3, टी एंड डी, आरसीएल, राइट्स तथा अन्य सहयोगी विभागों को भी बधाई दी।

दुर्ग नगर निगम के 60 वार्डों को मोतियाबिंद मुक्त कराने का अभियान जारी

दुर्ग। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्ग दर्शन मे 22 मार्च से दुर्ग नगर निगम के 60 वार्डों में ऐसे व्यक्ति जिन्हें दोनो आंखो से 3 मीटर की दूर से दिखाई नही देता है। उन्हें अभियान के तहत नेत्र सहायक अधिकारी अजय नायक ने दुर्ग नगर निगम के सभी मितानिन प्रशिक्षक को प्रशिक्षण दिया गया। मितानिन प्रशिक्षक अपने क्षेत्र में कार्यरत मितानिन को घर-घर दस्तक देकर जिनकी उम्र 45 वर्ष से उपर हो जिनको दोनो आंख में किन्ही कारणो से दिखाई नही देता हो ऐसे मरीजों को मितानिन द्वारा पंजीयन किया जावेगा। जिन्हे नेत्र सहायक अधिकारियो द्वारा जांच कर मोतियाबिंद के मरीजो की सूची तैयार कर जिला चिकित्सालय दुर्ग एवं सिविल अस्पताल सुपेला में आपरेशन किया जावेगा। उक्त मरीजो की सूची में संख्या के आधार पर जिले के चिकित्सालय दुर्ग के डॉ बी.आर. कोसरिया, डॉ संगीता भाटिया, डॉ अल्पना अग्रवाल, एवं सिविल अस्पताल सुपेला में डॉ. बीएन वाहने एवं ओटी स्टाफ के सहयोग से कार्य योजना तैयार कर मोतियाबिंद आपरेशन किया जावेगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने आम जनता से अपील है कि सर्वे कार्य में सहायोग प्रदान करे जिससे नगर निगम क्षेत्र दुर्ग को मोतियाबिंद मुक्त किया जा सके।

शहीद दिवस में याद किये गए इंकलाबी वीर शहीद

दुर्ग। राजीव भवन दुर्ग में बुधवार को दक्षिण ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय मिश्रा के नेतृत्व में शहीद दिवस के अवसर पर इंकलाबी वीर शहीद याद किये गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित छत्तीसगढ़ वेयर हाउस कॉर्पोरेशन अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री दर्जा अरुण वोरा,राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग उपाध्यक्ष राज्यमंत्री दर्जा आर एन वर्मा जिलाध्यक्ष गया पटेल के विशेष आतिथ्य में कांग्रेसजनों ने शहीद भगतसिंह के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। अरुण वोरा ने कहा कि वीर शहीदों भगत सिंह,राजगुरु व सुखदेव के बलिदान के फलस्वरूप सारा देश अंग्रेजों को बाहर खदेड़ने एकत्रित हो गया था।

शहीद दिवस : भारत माता की जयकारों से गूंजा शहीद पार्क

विधायक देवेन्द्र यादव ने कहा- शहीद पार्क में जल्द बनेगा ओपन रीडिंग जोन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहीद दिवस के मौके पर सेक्टर-5 स्थित शहीद पार्क में बुधवार को अमर शहीदों की याद में श्रद्धांजलि समीरोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शहीद उद्यान में देशभक्ति का नारा गूंज उठा। विभिन्न देश भक्ति के नृत्यों से एवं देश भक्ति के गायन से परिसर देश भक्ति मय हो गया। चारों ओर भारत माता के जयकारे और वंदे मातरम का नारा गूंजने लगा।

इस मौके पर विधायक देवेन्द्र यादव ने कहा कि शहीद उद्यान में जल्द ही रीडिंग जोन बनाया जाएगा जहां पर बच्चे अपनी पढ़ाई अच्छे से कर पाएंगे। शिक्षा की दिशा में आगे कदम बढ़ाते हुए रीडिंग जोन का काम किया जाएगा। बड़े ही सुव्यवस्थित तरीके से रीडिंग जोन को तैयार किया जाएगा और बड़े मात्रा में बच्चे अपनी पढ़ाई रीडिंग जोन के माध्यम से कर पाएंगे और उच्च शिक्षा की ओर आगे बढ़ेंगे।

इससे पहले विधायक देवेंद्र यादव एवं महापौर नीरज पाल, सभापति गिरवर बंटी साहू, निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने शहीद-ए-आजम भगत सिंह की प्रतिमा में दीप प्रज्वलन और पुष्प अर्पण कर सभी शहीदों को नमन कर याद किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सिविक सेंटर की तस्वीर भी बदलेगी और खूबसूरत तथा आकर्षक रूप में शहर का सेंट्रल ऑफअट्रैक्शन के रूप में नजर आएगा।

कार्यक्रम के दौरान महापौर नीरज पाल ने कहा कि हर वर्ष शहीद उद्यान में शहीदों की याद में कार्यक्रम किया जाएगा और शहीदों को इस दिन नमन किया जाएगा। महापौर परिषद की बैठक में इस फैसले को आज सर्वसम्मति से पारित किया गया है। महापौर ने कहा कि हम किसी पद पर रहे न रहे, परंतु शहीदों की याद में प्रत्येक वर्ष शहीद उद्यान में शहीदों को नमन करने आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा 15 अगस्त और 26 जनवरी को भी राजकीय सम्मान के साथ आयोजन किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि खुशी की बात है प्रतिदिन सैकड़ों लोग और उनके परिवार शहीद उद्यान में पहुंचते हैं और लेजर शो तथा म्यूजिकल फाउंटेन का आनंद उठाते हैं। इस अवसर पर जोन अध्यक्ष राजेश चौधरी एवं रामानंद मौर्या, महापौर परिषद के सदस्य सीजू एंथोनी, एकांश बंछोर, लक्ष्मीपति राजू, संदीप निरंकारी, साकेत चंद्राकर, मालती ठाकुर, रीता सिंह गेरा, नेहा साहू, मन्नान गफ्फार खान, केशव चौबे, मीरा बंजारे, आदित्य सिंह, चंद्रशेखर गवई, लालचंद वर्मा एवं पार्षद रिकेश सेन मौजूद रहे।

राजस्व नियमों में बदलाव से लगातार अपडेट रहें, न्यूनतम समय में पूरी प्रक्रिया अपनाते हुए कार्रवाई करें

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशानुरूप राजस्व संबंधी प्रकरणों का समयसीमा में प्रभावी निपटारा शासन की पहली प्राथमिकता है। लोगों को राहत मिले, इसके लिए राजस्व संबंधी नियमों में अनेक परिवर्तन किये गये हैं। जिन प्रक्रियाओं की वजह से काफी विलंब होता था उनमें बदलाव लाया गया है।

टेक्नालाजी के प्रयोग को बढ़ावा दिया गया है। इन सबके साथ अपने को अपडेट करना बहुत जरूरी है। यह बातें संभागायुक्त महादेव कावरे ने राजस्व अधिकारियों की संभागस्तरीय कार्यशाला में कही। उन्होंने कहा कि आज की कार्यशाला का उद्देश्य वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन का लाभ देना है तथा उन बदलावों को रेखांकित करना है जो हाल-फिलहाल में शासन ने किये हैं जिनकी वजह से राजस्व प्रकरणों का निपटारा सहज हुआ है। इसके साथ ही उन छोटी-छोटी गलतियों को भी रेखांकित करना है जिसकी वजह से प्रकरणों में अनावश्यक विलंब होता है। संभागायुक्त ने छोटे-छोटे उदाहरणों के द्वारा अपनी बात समझाई। उन्होंने कहा कि आरबीसी छह-चार के प्रकरण की बात लें। इसमें कभी यूं भी होता है कि हम पीएम रिपोर्ट का अस्पताल से और थाने से पंचनामा आदि का इंतजार करते हैं इस वजह से काफी विलंब हो जाता है। इसमें बस यूं करें कि पटवारी के माध्यम से लाइनअप कर सभी दस्तावेज मंगा लें और त्वरित प्रकरण का निराकरण कर दें। संभागायुक्त ने कहा कि टेक्नालाजी ने हमको ऐसी शक्ति दी है जिसके माध्यम से हम बहुत से कार्यों को तत्क्षण कर सकते हैं। समन्वय की जरूरतों के लिए लैटर पर निर्भर न रहकर फोन से सीधे संपर्क करें ताकि शीघ्रता से मामले का निपटारा हो सके। पेशी के संबंध में उन्होंने बताया कि पेशी बार-बार नहीं बढ़ाई जानी चाहिए। पहली ही पेशी में सारे दस्तावेज मंगवा लिया जाए, गुण-दोष पर विचार किया जाए, दोनों पक्षों की सुनवाई की जाए।

वोरा ने नाराजगी जताते हुए पीडब्ल्यूडी अफसरों से पूछा

क्या किसी और दुर्घटना का इंतजार है?

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अरुण वोरा ने पीडब्लूडी (ब्रिज) अफसरों से सवाल किया है कि आखिर वे किस घटना या दुर्घटना का इंतजार कर रहे हैं। वोरा ने यह सवाल राजीव गांधी सेतु के जीर्ण.शीर्ण होने के बावजूद रिपेयरिंग वर्क न होने पर किया।

वोरा ने कहा कि पिछले दिनों चार युवकों की मौत होने के बावजूद पीडब्लूडी (ब्रिज) विभाग के अफसरों ने अभी तक टूटे हिस्से की मरम्मत तक नहीं की है। विभागीय अफसरों को क्या किसी और दुर्घटना का इंतजार है। वोरा ने नाराजगी जताते हुए कहा कि राजीव गांधी सेतु की हालत खस्ताहाल हो चुकी है। हजारों लोगों की आवाजाही दिन भर होती है। इसके बावजूद सेतु की मरम्मत का काम नहीं किया जा रहा है। यह विभाग की घोर लापरवाही है। वोरा ने कहा कि राजीव गांधी सेतु की मरम्मत का काम अविलंब शुरू किया जाना चाहिए। इसमें और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वोरा ने इसी सिलसिले में कहा कि रायपुर नाका अंडरब्रिज और धमधानाका अंडरब्रिज के निर्माण में काफी लेटलतीफी हो चुकी है। इन दोनों अंडरब्रिजों का निर्माण कार्य भी तत्काल पूरा किया जाए। ताकि राजीव गांधी सेतु से ट्रैफिक का लोड कम हो सके और लोगों को सुरक्षित यातायात की सुविधा मिल सके।

एमआईसी का बड़ा निर्णय : नहीं बढ़ेगा टैक्स

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर निगम भिलाई ने टैक्स् पेयर को बड़ी राहत दी है। बुधवार को हुई एमआईसी की बैठक में करदाताओं को लेकर बड़ा फैसला किया गया है। इस वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए टैक्स नहीं बढ़ाने का फैसला लिया है। इस निर्णय से करदाताओं को अतिरिक्त बोझ का सामना नहीं करना पड़ेगा। वर्ष 2021-22 की तरह वर्ष 2022-23 में टैक्स यथावत रहेगा।

भिलाई निगम की एमआईसी की बैठक आज महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता एवं अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी की उपस्थिति में हुई। महापौर परिषद ने आज विभिन्न एजेंडो पर विस्तार से चर्चा की।

टैक्स न बढ़ाने के फैसले के साथ ही एमआईसी ने और भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए। महापौर नीरज पाल ने कहा कि पिछले विगत 2-3 वर्षों से कोविड के चलते विपरीत परिस्थितियों का सामना आम नागरिकों को करना पड़ा है। महापौर नीरज पाल ने कहा कि इसे देखते हुए आने वाले वित्तीय वर्ष के लिए अतिरिक्त रूप से टैक्स देने की आवश्यकता नहीं है।

एमआईसी में 77 एमएलडी फिल्टर प्लांट जल शोधन संयंत्र जल शुद्धीकरण के लिए निर्मित की गई फिल्टर बेड को भी बदलने का निर्णय लिया गया है। एमआईसी में कहा गया है कि पुराना होने के कारण फिल्टर मीडिया को बदलना आवश्यक हो गया है। जिसको देखते हुए महापौर परिषद ने फिल्टर मीडिया को बदलने का निर्णय लिया है। इससे पहले वर्ष 2014 में केवल तीन फिल्टर मीडिया को बदला गया था।

आज की बैठक में महापौर परिषद की बैठक में महापौर परिषद के सदस्य सीजू एंथोनी, एकांश बंछोर, लक्ष्मीपति राजू, संदीप निरंकारी, साकेत चंद्राकर, मालती ठाकुर, रीता सिंह गेरा, नेहा साहू, मन्नान गफ्फार खान, केशव चौबे, मीरा बंजारे, आदित्य सिंह, चंद्रशेखर गवई एवं लालचंद वर्मा, निगम उपायुक्त सुनील अग्रहरी, समस्त जोन आयुक्त एवं विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

डॉ आंबेडकर सांस्कृतिक भवन सेक्टर 6 में भीम जयंती को लेकर बैठक संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारतीय बौद्ध महासभा भिलाई सांस्कृतिक समिति की बैठक डॉ. अम्बेडकर सांस्कृतिक भवन सेक्टर 6 में मंगलवार को सम्पन्न हुई जिसमें 13 और 14 अप्रैल भीम जयंती के कार्यक्रम की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया गया तथा उपस्थित सभी लोगों ने दो दिवसीय कार्यक्रम को भव्य रूप में मनाने की बात कही और अपना संपूर्ण सहयोग प्रदान करने की ।

सहमति जताई सांस्कृतिक समिति प्रमुख डॉ उदय धाबर्डे जी के मार्गदर्शन में विभिन्न कार्यों के लिए कार्य विभाजन कर समितियां बनाकर उन्हें जिम्मेदारी दी गई बैठक में संस्था के अध्यक्ष नरेन्द्र खोब्रागडे, उपाध्यक्ष जे.बी.पाटिल, कोषाध्यक्ष प्रकाश मेश्राम, सांस्कृतिक समिति प्रमुख डॉ. उदय धाबर्डे, महिला संघ अध्यक्ष अलका खोब्रागडे, सविता मेश्राम, सुनिता सुखदेवे, वत्सला भोवते, उमा मेश्राम, स्मिता डांगरे, कल्पना गजभिऐ, रंजू खोब्रागडे, प्रितेश पाटिल, रोशन नंदेश्वर, हरिश भोवते, सिध्दार्थ गजभिऐ, शिरिश मेश्राम, एवं अनिल वारके, आदि उपस्थित थे।

शहीदे आज़म भगत सिंह- राजगुरु- सुखदेव के शहीदी दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शहीदे आज़म भगत सिंह-राजगुरु- सुखदेव के शहीदी दिवस के अवसर पर नवदृष्टि फाउंडेशन द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में लोगों ने उत्साह के साथ रक्तदान किया व शहीदों को श्रद्धांजलि दी, सुबह से ही बड़ी संख्या में स्त्री पुरुष स्वस्फूर्त ही दुर्ग जिला चिकित्सालय ब्लड बैंक पहुँचते रहे व रक्तदान करते रहे और लगभग 211 लोगों ने रक्तदान कर एक रिकॉर्ड बनाया।

यह पहला अवसर था जब जिला चिकित्सालय ब्लड बैंक के सभी टेक्नीशियन ,रुपेश सरपे, दिनेश कुमार, तीरथ यादव सूरज कुर्रे, दीपक कुमार साहू किशन डनसेना, कौशल साहू, उर्मिला मोरला, तरुणा रावत, आशा साहू, लतिका ने एक साथ रक्तदान किया डॉ गुरप्रीत कौर ने ब्लड बैंक आ कर रक्तदान किया इसके आलावा समाज सेवियों, राजनीतिकज्ञों ,वयापारी वर्ग तथा युवाओं व सभी वर्गों में रक्तदान के लिए उत्साह देखा गया

सीएमएचओ डॉ जे पी मेश्राम व सिविल सर्जन वाइ के शर्मा ने ब्लड बैंक पहुँच रक्तदानियों का उत्साह बढ़ाया। सभी रक्तदानियों को नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्यों द्वारा प्रशस्तिपत्र दे कर सम्मानित किया गया। नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्य राज आढ़तिया,रितेश जैन, कुलवंत भाटिया,मुकेश राठी, जितेंद्र हासवानी,हरमन दुलाई, यतीन्द्र चावड़ा, सत्येंद्र राजपूत, प्रभु दयाल उजाला, विकास जायसवाल जितेंद्र कारिया,चंदन मिश्रा ने रक्तदान की वयवस्था दिन संभाली।

ब्लड बैंक के संचालक डॉ परवीन अग्रवाल व डॉ नेहा बाफ्ना ने कहा दुर्ग ब्लड बैंक में पहली बार इतनी अधिक संख्या में रक्तदान हुआ जबकि बहुत से लोग तकीनीकी वजह से रक्तदान नहीं कर पाए। सहयोगी संस्थाएं माहेश्वरी रक्तदान सेवा,रेड ड्राप फ्रेंड क्लब, सेवक डायग्नोस्टिक, नवदृष्टि ग्रीन, छत्तीसगढ़ ब्लड डोनर फाउंडेशन, साईनाथ जन सेवा समिति के सदस्य उपस्थित रहे व रक्तदान प्रक्रीया में सहयोग किया।

नव दृष्टि फाउंडेशन की ओर से राज आढ़तिया व रितेश जैन ने कहा लोगों का उत्साह व शहीदों के प्रति जज़्बा देख कर हमारी संस्था ने निर्णय लिया है हर वर्ष नवदृष्टि फाउंडेशन शहीदी दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन करेगी व लोगों को जागरूक करेगी।

नवदृष्टि फाउंडेशन के अनिल बल्लेवार, कुलवंत भाटिया,राज आढ़तिया,प्रवीण तिवारी,मुकेश आढ़तिया,सूरज साहू ,हरमन दुलई,प्रभु दयाल उजाला, प्रमोद बाघ, रितेश जैन,जितेंद्र हासवानी,सत्येंद्र राजपूत,विकास जायसवाल ,पियूष मालवीय, मुकेश राठी, संतोष राजपुरोहित,किरण भंडारी, प्रफुल्ल जोशी , मनीष जोशी, प्रसाद राव,संतोष रत्नानी दीपक बंसल ने सभी रक्तदानियों का आभार व्यक्त किया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950